CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-348
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर,मंगलवार 19 मार्च 2024

आज का विचार

मनुष्य के जीवन की सफलता इसी में है कि वह उपकार करने वाले व्यक्ति को कभी न भूले। –वेद व्यास

पेज-04

सुप्रीम कोर्ट की एसबीआई को आखिरी डेडलाइन

21 को शाम 5 बजे तक चुनावी बॉन्ड पर हर 'राज' बताना होगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड के मामले में सुनवाई करते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि वह चुनावी बॉन्ड की जानकारी चुनिंदा तौर पर क्यों दे रहे हैं। कोर्ट ने एसबीआई को बॉन्ड का नंबर मुहैया कराने का निर्देश दिया है। साथ ही अदालत ने गुरुवार (21 मार्च) शाम 5 बजे तक एसबीआई को एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है। हलफनामे में इस बात का जिक्र करना होगा कि उनके पास कोई जानकारी अब बची नहीं है।

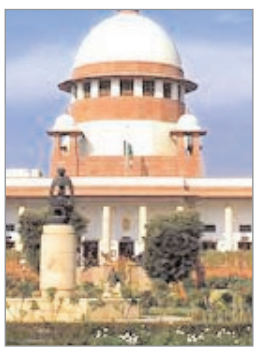

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि एक बार जब हमने निर्देश दे दिया तो हम आज क्या कर रहे हैं.. बहुत सारे मुद्दे हल हो जाएंगे। इस मामले में एडवोकेट प्रशांत भूषण ने राजनीतिक दलों की तरफ से चंदा देने वाले के नामों का खुलासा नहीं करने मुद्दा उठाया। इस पर जस्टिस गवई ने कहा कि हम अभी रिव्यू करने नहीं बैठे हैं।

सुनवाई में ये बोले सीजेआई– सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस अदालत ने कार्यवाही को तार्किक और पूर्ण रूप से समाप्त करने के लिए चुनावी बान्ड योजना पर जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया था। इस प्रकार पैरा बी और सी में ऑपरेटिव निर्देश जारी किए थे। पैरा बी में एसबीआई को 12 अप्रैल, 2019 से फैसले की तारीख तक इलेक्टोरल बॉन्ड खरीद का डिटेल प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। इसमें पैरा सी में नाम, मूल्यवर्ग आदि शामिल होंगे। सीजेआई ने कहा कि हमने चुनावी बांड के माध्यम से धन प्राप्त करने वाले राजनीतिक दलों की जानकारी मांगी थे.. और एसबीआई को ऐसे नकदीकरण की तारीख सहित राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक बांड के विवरण का खुलासा करना था। यह इंगित करता है कि एसबीआई को खरीद और भुनाने के संबंध में सभी डिटेल देने थे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एसबीआई अपने साथ सभी सूचनाओं का खुलासा करेगा। इसमें चुनावी बांड नंबरों या अल्फा न्यूमेरिक नंबरों का विवरण शामिल होगा।

एसबीआई को दाखिल करना होगा हलफनामा– चीफ जस्टिस ने कहा कि साल्वे का कहना है कि सभी विवरण प्रस्तुत किए जाएंगे। हम एसबीआई चेयरमैन को गुरुवार शाम 5 बजे एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हैं। इसमें कहा गया है कि पैरा 221 में दिए गए निदेर्शों के अनुसार कोई भी जानकारी प्रकटीकरण से नहीं रोकी गई है। ईसीआई एसबीआई से डेटा प्राप्त होने के बाद तुरंत विवरण अपलोड करेगा।

मोदी कैबिनेट से पशुपति पारस का इस्तीफा

बोले- मेरे साथ नाइंसाफी हुई, हाजीपुर से ही लडूंगा चुनाव

एजेंसी, पटना। बिहार एनडीए में सीटों के बंटवारे पर मचे सियासी घमासान के बीच केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि उनके साथ नाइंसाफी हुई है। वे हर हाल में हाजीपुर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, चाहे इसके लिए किसी भी गठबंधन में जाना पड़े। बता दें, एक दिन पहले हुए एनडीए के सीटों के बंटवारे में लोक जनशक्ति पार्टी के पशुपति पारस धड़े को एक भी सीट नहीं दी गई, जबकि रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान को 5 सीट दी गई है। इसके बाद से पशुपति पारस नाराज बताए जा रहे थे।

ईडी का दावा–

के.कविता ने केजरीवाल सिसोदिया को 100 करोड़ दिए

AAP बोली- ED BJP की राजनीतिक शाखा

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में BRS नेता के.कविता की गिरफ्तारी के तीन दिन बाद 18 मार्च को ED की ओर बयान जारी किया गया। एजेंसी ने दावा किया है कि के.कविता ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी के निर्माण और लागू करने में लाभ पाने के लिए AAP के सीनियर लीडर्स के साथ साजिश रची। एजेंसी का दावा है कि इसके लिए दिल्ली CM अरविंद केजरीवाल और डिप्टी CM मनीष सिसोदिया को 100 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। 18 मार्च को कविता ने अपनी गिरफ्तारी के विरोध में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को चैलेंज किया है। फिलहाल, उन्हें 23 मार्च तक ED की रिमांड में भेज दी गई हैं। इधर, AAP ने दावा किया है कि ED, BJP की राजनीतिक शाखा की तरह काम कर रही है। अरविंद केजरीवाल पर लगे आरोप सरासर गलत हैं। ED का दावा है कि के.कविता को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी बनाने और लागू करने में AAP नेताओं की मदद मिली। इस एहसान के बदले उन्हें 100 करोड़ रुपए का भुगतान के.कविता ने किया है। एजेंसी का कहना है कि मामले की जांच के दौरान इन बातों का पता चला है। जांच एजेंसी का कहना है कि शराब के होलसेलर्स के जरिए आम आदमी पार्टी के लिए रिश्वत ली गई थी। इसके अलावा कविता और उसके सहयोगियों को AAP को अग्रिम भुगतान की गई राशि की वसूली करनी थी। उन्हें प्रॉफिट कमाना था। ED ने कहा है कि 23 मार्च तक सात दिन की रिमांड में के.कविता से इस मामले में पूछताछ की जाएगी। इस मामले में ED ने अब तक दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई और अन्य स्थानों सहित देश भर में 245 स्थानों पर रेड मारी है। मामले में अब तक AAP के मनीष सिसौदिया, संजय सिंह और विजय नायर समेत कुल 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एजेंसी अब तक 5 सप्लिमेंट्री कंप्लेंट और एक प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट दाखिल कर चुकी है। साथ ही अपराध से प्राप्त आय में से अब तक 128.79 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता लगाया गया है। इसे 24 जनवरी 2023 और 3 जुलाई 2023 के वाइड प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर के जरिए से अटैच किया गया है। वहीं, के.कविता ने अपनी गिरफ्तारी को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। उनका कहना है कि ED की कार्रवाई को रद्द किया जाए, क्योंकि यह पूरी तरह से गैरकानूनी है।

धीरेंद्र शास्त्री ने मुरादाबाद का नाम बदलकर माधव नगर करने की उठाई मांग, गिनाए कई कारण

नई दिल्ली । मध्य प्रदेश के बाबा बागेश्वर धाम के मुख्य पुजारी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इन दिनों उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में हैं. यहां उनकी हनुमान कथा चल रही है. यहां उन्होंने मुरादाबाद का नाम बदलने की मांग उठाई है. इसके लिए उन्होंने कई कारण भी गिनाए हैं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि भारत में इतने नाम बदल गए. जब फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या हो सकता है. इलाहाबादका नाम प्रयागराज हो सकता है तो मुरादाबाद को अब माधवनगर कर दिया जाए. कौन सी बड़ी बात है. इसके लिए धीरेंद्र शास्त्री ने कारण बताए हैं.

बागेश्वर धाम के पुजारी ने कहा, जिस नगर में सिद्धबली हनुमान मंदिर हो, हरिहर मंदिर हो, गड़गंगा हो, शीतला माता मंदिर हो, कालका माता मंदिर नीम करौली बाबा का मंदिर हो, माता गंगा जहां प्रकट हुई हों, ऐसे नगर को मुरादाबाद कहना इन मंदिरों की अवहेलना है. मुरादाबाद को माधव नगर कर देना चाहिए.

प्रदेश के आदिवासी अंचल में छाया भगोरिया हाट का उल्लास

इंदौर । आदिवासी अंचल के झाबुआ, आलीराजपुर और धार जिले में सोमवार से भगोरिया लोक उत्सव का उल्लास छाया। एक सप्ताह तक नगर, कस्बे और ग्राम में हाट-बाजार के दिन भगोरिया मेले लगेंगे। हजारों की संख्या में पारंपरिक परिधान में आदिवासी समाजजन इन मेलों में शिरकत करेंगे तथा ढोल-मांदल की थाप और बांसुरी की तान पर जमकर थिरको बता दें कि होली के एक सप्ताह पूर्व से आदिवासी अंचल में भगोरिया मेले की परंपरा है। इन मेलों में प्राचीन आदिवासी संस्कृति देखने को मिलती है। सोमवार को झाबुआ व आलीराजपुर जिलों में आलीराजपुर शहर, चंद्रशेखर आजादनगर, पेटलावद, रंभापुर, मोहनकोट, कुदंनपुर, रजला, बडागुडा व मेड़वा में भगोरिया मेला लगेगा।

इन तारीखों में लगेंगे भगोरिया के हाट

20 मार्च- बरझर, खट्टाली, चांदपुर, बोरी, उमरकोट, माछलिया, करवड़, बोड़ायता, कल्याणपुरा, मदरानी व ढेकल।

21 मार्च- फुलमाल, सोंडवा, जोबट, पारा, हरिनगर, सारंगी, समोई व चैनपुरा।

22 मार्च- वालपुर, कट्ठीवाड़ा, उदयगढ़, भगोर, बेकल्दा, मांडली व कालीदेवी।

23 मार्च- नानपुर, उमराली, राणापुर, मेघनगर, बामनिया, झकनावदा व बलेड़ी।

24 मार्च- छकतला, कुलवट, सोरवा, आमखुंट, झाबुआ, झिरण, ढोल्यावाड़, रायपुरिया, काकनवानी व कनवाड़ा।

डूंगरपुर मामले में सपा नेता आजम खां को सात साल की सजा

रामपुर। डूंगरपुर प्रकरण के एक मामले में सपा नेता आजम खां को कोर्ट ने सोमवार को सात साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा तीन दोषियों को पांच-पांच साल कारावास की सजा सुनाई गई है। आजम खां, पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां, रिटायर्ड सीओ आले हसन, ठेकेदार बरकत अली पर अदालत शनिवार को दोष सिद्ध कर चुकी थी। डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के दौरान वर्ष 2019 में 12 मुकदमे दर्ज हुए थे। आजम खां को आपराधिक षड़यंत्र का आरोपी बनाया था, जबकि अन्य पर घर में घुसकर मारपीट करने, धमकाने, डकैती आदि जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चार मार्च को इस मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी थी। शनिवार को कोर्ट ने आजम खां समेत उक्त चारों को दोषी करार दिया। सोमवार को सुनवाई करते हुए आजम खां को सात साल तथा पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां, रिटायर्ड सीओ आले हसन, ठेकेदार बरकत अली को पांच साल की सजा सुनाई गई है। इस मामले में आरोपी बनाए गए सपा के प्रदेश सचिव ओमेंद्र सिंह चौहान समेत जिबरान नासिर, फरमान नासिर साक्ष्य के अभाव में बरी हो गए थे। सपा नेता आजम खां सीतापुर, पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां बिजनौर जेल में हैं।

डूंगरपुर बस्ती निवासी एहतेशाम का आरोप है कि सपा नेता आजम खां के इशारे पर सीओ आले हसन के साथ मिलकर सपाइयों ने एहेतशाम के घर में घुसकर मारपीट और धमकाने की घटना को अंजाम दिया था। हालांकि इन सभी पर डकैती डालने का भी आरोप लगाया था लेकिन वह साबित नहीं हो पाया। कोर्ट में जब यह मामला पहुंचा तो अभियोजन पक्ष की ओर से अपना केस साबित करने के लिए एहतेशाम समेत 14 गवाहों को पेश किया गया। उन्होंने अपने बयान में आरोपों की पुष्टि की।

देश का दूसरा सबसे लंबा होगा चुनाव 44 दिन तक खिंचेगा महासमर

इससे पहले 4 महीने से अधिक समय तक चला था था देश का पहला चुनाव

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। अगले ढाई महीनों के लिए, चुनाव देश में आपके रोजमर्रा के जीवन पर हावी होगा। इसी के साथ 2024 का चुनाव देश में दूसरा सबसे लंबा चुनाव होगा। 19 अप्रैल से 1 जून तक 7 चरणों में होने वाले मतदान की समयसीमा 44 दिन है। वहीं चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा से लेकर मतगणना तक कुल 82 दिन का समय लगेगा। इससे पहले देश का पहला चुनाव 4 महीने से अधिक समय तक चला था। इस बार नतीजे 4 जून को आएंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो इसकी शुरूआत अगले महीने की 19 तरीख से होगी। 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को मतदान होंगे। कुछ राज्यों में एक ही दिन मतदान पूरा हो जाएगा, जबकि कुछ राज्यों

में कई चरणों में मतदान होगा। चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। इस बार चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा से लेकर मतगणना तक कुल 82 दिन का समय लगेगा। चुनाव आयोग ने शनिवार को घोषणा की कि भारत में 7 चरणों में चुनाव होंगे। पहला चरण 19 अप्रैल को होगा, दूसरा 26 अप्रैल को। इसके बाद चुनाव 7 मई , 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे। कुछ राज्यों में एक ही दिन मतदान पूरा हो जाएगा, जबकि कुछ राज्यों में कई चरणों में मतदान होगा। चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। इस बार चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा से लेकर मतगणना तक कुल 82 दिन का समय लगेगा।

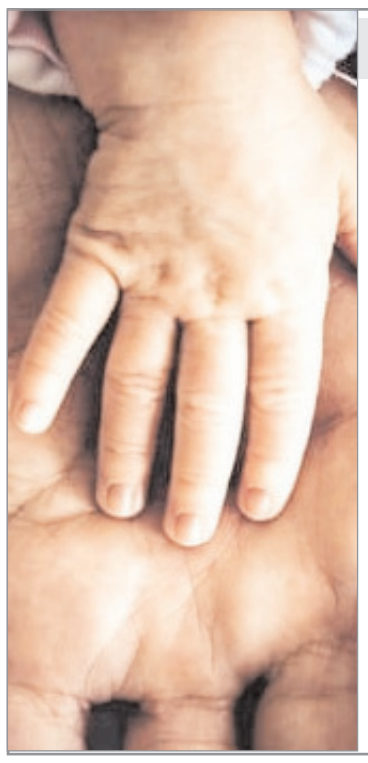

11 राज्यों में 6,012 लड़कों के मुकाबले 9,474 लड़कियों को दंपतियों ने किया पसंद

लड़कियों को गोद लेने में पंजाब अव्वल

नई दिल्ली। मरने के बाद हमारा का अंतिम संस्कार कौन करेगा? हिंदू समाज में निस्संतान बुजुर्ग आदमी या औरत बेटे के हाथों अंतिम संस्कार से स्वर्ग पाने की लालसा मन में पाले रहते हैं। हिंदू धर्म में बेटे के हाथों अंतिम संस्कार के महत्व वर्णन भी पढ़ने-सुनने को मिलता है। अंतिम संस्कार के अलावा और कई कारणों से निस्संतान दंपती बड़े चाव से बच्चे को गोद लेते हैं। हालांकि, पिछले कुछ समय से लड़कों को गोद लेने की पारंपरिक लालसा में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पिछले दो साल में हिंदू अडॉप्शन और मेंटिनेंस एक्ट के तहत बच्चा गोद लेने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही देश में लड़कियों को गोद लेने की प्राथमिकता में उल्लेखनीय झुकाव देखा गया है। इसमें सबसे हैरानी की बात यह है कि पंजाब इस ट्रेंड (लड़कियों को गोद) में सबसे आगे दिख रहा है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के माध्यम से केंद्र सरकार की तरफ से पेश आंकड़े इस ट्रेंड को स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं जो वैदिक युग जितनी पुरानी है। जबकि 10 राज्यों ने पिछले साल 20 नवंबर को हाई कोर्ट की तरफ निर्देशित एचएएमए के तहत गोद लेने से संबंधित डेटा प्रस्तुत नहीं किया था। एएसजी ने 11 राज्यों द्वारा रिकॉर्ड पर रखा गया डेटा प्रस्तुत किया। इसमें 2021-2023 की अवधि में कुल 15,486 गोद लेने की बात दर्ज की गई थी। एचएएमए के तहत दर्ज किए गए कुल गोद लेने में से, गोद लेने वाले माता-पिता ने 6,012 लड़कों मुकाबले 9,474 लड़कियों को घर ले जाना पसंद किया।

6 साल से कम उम्र के बच्चे पहली पसंद– हालांकि, गोद लिए गए बच्चों की पसंदीदा उम्र छह साल से कम रही, चाहे उनका लिंग कुछ भी हो। सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स एजेंसी (उअफअ) टेबल से पता चलता है कि 69.4त्न रजिस्टर्ड भावी दत्तक माता-पिता (ढअढ) 0 से 2 वर्ष की आयु के बच्चों को चुनते हैं। 2 से 4 वर्ष के आयु वर्ग में 10.3त्न और 4 से 6 वर्ष के आयु वर्ग में 14.8त्न भावी माता-पिता ने रुचि दिखाई। पंजाब और चंडीगढ़ भारत में लैंगिक समानता की दिशा में आगे बढ़ने में अग्रणी बनकर उभरे हैं। आंकड़ों से ऐसा लगता होता है कि गोद लेने में इन दोनों पर जोर दिया जा रहा है। राज्य में एचएएमए के तहत पंजीकृत कुल 7,496 गोद लेने वालों में से 4,966 लड़कियां और 2,530 लड़के थे। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में गोद लिए गए कुल 167 बच्चों में से 114 लड़कियां थीं। हिमाचल प्रदेश के दंपतियों ने 2,107 बच्चों (1,278 लड़कियों) को गोद लिया। तमिलनाडु 1,671 (985 लड़कियां); दिल्ली में 1,056 (558 लड़कियां); उत्तराखंड में 685 (472 लड़कियां); आंध्र प्रदेश में 1,415 (835 लड़कियां) बच्चों को गोद लिया गया। इसके अलावा ओडिशा में 291 (165 लड़कियां) बच्चों को गोद लिया गया। वहीं, तेलंगाना के हिंदू जोड़ों ने लड़कों को गोद लेना अधिक पसंद किया। यहां कुल 242 बच्चों को गोद लिया गया जिनमें से महज 48 लड़कियां थीं। पश्चिम बंगाल में कपल ने कुल 228 बच्चों को गोद लिया, जिनमें से 112 लड़कियां थीं।

सिंगल कॉलम

लवकुश चौराहा फ्लाईओवर की एक भुजा की पीएससी गर्डर पर स्लैब का काम शुरू

लवकुश चौराहे पर छह लेन फ्लाईओवर की एक भुजा को अप्रैल तक पूरा करने की कवायद की जा रही है। एमआर-10 से सुपरकारिडोर की तरफ जाने वाली भुजा के पिलर पर पीएससी गर्डर की लांचिंग के बाद अब स्लैब डालने का काम शुरू हो चुका है। चौराहे पर 45 मीटर लंबी स्टील गर्डर की लांचिंग भी जल्द की जाएगी। इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) द्वारा लवकुश चौराहे पर दो भागों में छह लेन फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। इस फ्लाईओवर की की तीन-तीन लेन दोनों तरफ बनेगी और बीच में मेट्रो ट्रेन गुजरेगी। इसकी एक भुजा के पीएससी गर्डर की लांचिंग पूरी हो चुकी है। एक स्पान में चार गर्डर लगाई गई है। पीएससी गर्डर के ऊपर स्लेब डालने का काम शुरू हो चुका है। मार्च माह में ही चौराहे पर 45 मीटर लंबी स्टील गर्डर की लांचिंग होगी। इससे चौराहे पर आसानी से यातायात बिना किसी परेशानी से गुजर सकेगा। दर्जनों कालोनियों की राह होगी सुगम लवकुश चौराहे पर फ्लाईओवर के बनने से इंदौर-उज्जैन रोड का यातायात सुगम होगा, वहीं चौराहे पर होने वाले हादसों पर भी रोक लगेगी। इसके अतिरिक्त सुपर कारिडोर से लगी दर्जनों कालोनियों की राह भी आसान होगी। इसके बनने से एमआर-10 से वाहन बिना रुके सीधे सुपर कारिडोर पर पहुंच जाएंगे।

इंदौर बनेगा डाग बाइट फ्री सिटी

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर को डाग बाइट फ्री सिटी बनाने की कवायद जिला प्रशासन ने शुरू की है। आगामी छह माह में बचे सभी श्वानों की नसबंदी और टीकाकरण किया जाएगा। इससे श्वानों की जन्मदर को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। शहर में प्रतिदिन 200 श्वानों की नसबंदी का लक्ष्य तय किया गया है। नसबंदी से बचे श्वानोंशहर के गली-मोहल्लों में आए दिन डाग बाइट की घटनाएं सामने आती हैं। सैकड़ों लोग रैबीज का टीका लगाने के लिए अस्पताल पहुंचते हैं। शहर में बढ़ रही श्वानों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए लगातार मांग उठती रही। अब जिला प्रशासन ने डाग बाइट की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की है। इसे लेकर सोमवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में बैठक हुई। इसमें बताया गया कि एनिमल ब्रीडिंग कंट्रोल प्रोग्राम के तहत श्वानों की शत-प्रतिशत नसबंदी और टीकाकरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शहर में वर्ष 2014-15 से श्वानों की नसबंदी का अभियान चल रहा है। अब तक दो लाख श्वानों की नसबंदी की जा चुकी है। आंकड़ों के अनुसार 50 हजार के करीब श्वानों की नसबंदी अब भी शेष है। दो एजेंसियां श्वानों की नसबंदी करने का काम कर रही है। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, डा. उत्तम यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी और नसबंदी कार्य में संलग्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

स्थिति चिंताजनक, साइलेंट जोन में सबसे ज्यादा ध्वनि प्रदूषण

शहर के वे तमाम इलाके जहां सबसे कम कोलाहल होना चाहिए, वहीं पर सबसे ज्यादा ध्वनि प्रदूषण हो रहा है। वाहनों की आवाजाही, निर्माण कार्य, पेड़ों की कटाई, यहां तक कि एयर कंडीशनर का उपयोग बढ़ने से रहवासी क्षेत्र से लेकर औद्योगिक क्षेत्रों में तय मानक से कहीं ज्यादा ध्वनि प्रदूषण हो रहा है। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा हर माह शहर के अलग-अलग हिस्सों में आधुनिक मशीनों से ध्वनि का स्तर मापा जा रहा है, लेकिन चौंकाने वाली बात है कि शहर में एक भी जगह ऐसी नहीं है, जहां मानक के अनुरूप क्षेत्र शांत हो। लगातार बढ़ रहे ध्वनि प्रदूषण से लोगों की सुनने की क्षमता प्रभावित हो रही है। इस तरह के मरीज लगातार डाक्टरों के पास पहुंच रहे हैं। शहर में 20 से अधिक इलाके ऐसे हैं, जिन्हें सेंसेटिव और साइलेंट घोषित किया गया है। इन इलाकों में ही सबसे ज्यादा ध्वनि प्रदूषण है। इनमें अस्पताल, कोर्ट, कलेक्टर कार्यालय आदि शामिल हैं। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के विज्ञानियों ने बताया कि हर माह शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में 24 घंटे लगातार मशीनों से ध्वनि प्रदूषण मापा जाता है। कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां मानक स्तर से अधिक ध्वनि प्रदूषण मिला है। ईएनटी विशेषज्ञ डा. सुनील अग्रवाल ने बताया कि ध्वनि प्रदूषण बढ़ने से लोगों की श्रवण क्षमता कम हो रही है। ध्वनि प्रदूषण के कारण सिरदर्द, स्मरण शक्ति कम होना, कम सुनाई देना, चिड़चिड़ाहट, कान में सिटी बजने की आवाज आने जैसी समस्याएं हो रही हैं।

कोचिंग जा रही छात्रा से छेड़छाड़, मामले में आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज

एरोड्रम थाना क्षेत्र में कोचिंग जा रही रही छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। पुलिस के मुताबिक 22 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि भोलेनाथ कालोनी कंट्रोल वाली गली से जा रही, तभी आरोपित रोहित पगारे निवासी राजनगर वहां पहले से ही खड़ा था। कहने लगा मुझसे बात करना क्यों बंद की। बात करने का मना किया तो अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद वहां भाग कर अपने घर तरफ जाने लगी तो घर तक पीछा किया। बता दें कि पीड़िता और आरोपित की पहले दोस्ती थी, लेकिन आरोपित के नशा करने की बात पता चलने पर उसने बात बंद कर दी थी।

भविष्य को गढ़ने में स्कूली शिक्षा अहम फिर भी राजनीतिक चिंतन से दूर

सिटी चीफ इंदौर।

लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगते ही चुनावी बिगुल फूंका जा चुका है। अब चुनावी दल लोकसभा क्षेत्र के मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरने लगेंगे, लेकिन देश का भविष्य गढ़ने वाले स्कूली शिक्षा की बेहतरी को लेकर लोकसभा चुनाव में आज तक किसी दल ने मुद्दा नहीं उठाया। न ही अपने घोषणा पत्र में इसका जिक्र किया। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में स्कूली शिक्षा को ही मुख्य मुद्दा बनाया गया था। राज्य सरकार द्वारा हर साल करोड़ों रुपये का बजट स्कूली शिक्षा में खर्च किया जाता है। पहले उत्कृष्ट, माडल और अब सीएम राइस स्कूल शुरू किए जा रहे है, लेकिन अधिकांश स्कूलों में शिक्षकों के पद खाली हैं। कहीं-कहीं तो अब तक नए भवन का निर्माण तक नहीं हुआ है। ग्रामीण अंचलों में अतिथि शिक्षकों के भरोसे कई स्कूल चल रहे हैं। स्कूलों में लिपिक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक नहीं हैं। मप्र शिक्षा के मामले में अन्य प्रदेशों की स्थिति में काफी पीछे चल रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की सुविधाओं, शिक्षकों की प्रोफेशनल ट्रेनिंग आदि को लेकर कभी बात नहीं होती है। दिल्ली और पंजाब में राजनीतिक दलों ने शिक्षा को ही चुनावी मुद्दों का बनाया और वर्तमान में शिक्षा प्रणाली और स्कूलों को बेहतर किया। बावजूद मप्र में लोकसभा चुनाव में स्कूली शिक्षा कभी मुद्दा नहीं रहा है। जमीन स्तर पर ध्यान दे जनप्रतिनिधि सेवानिवृत्त प्राचार्य और पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी रजनी जादौन ने बताया कि सरकार ने जो नई शिक्षा नीति बनाई है, उस पर बेहतर काम हो रहा है। शिक्षा नीति के परिणाम आगामी पांच वर्ष में सामने आएंगे। लोकसभा चुनाव में स्कूली शिक्षा के मुद्दे भी होना चाहिए। स्कूली शिक्षा से होकर भी हमारे देश के भविष्य की राह निकलती है। इसलिए जनप्रतिनिधियों को स्कूली शिक्षा से जुड़ी योजनाओं को लेकर जमीनी स्तर पर

काम करना होगा। यह है स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े मुद्दे भवन अभाव में जिले सहित मप्र में कई उमावि और हाई स्कूल, प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के स्कूलों में संचालित हो रहे हैं। उत्कृष्ट, माडल स्कूल और अब सीएम राइज स्कूल बनाए गए हैं, लेकिन इन स्कूलों में शैक्षणिक शिक्षकों के कई पद खाली पड़े हुए हैं। इसके कारण स्कूलों की ओर पालकों का ध्यान नहीं जाता है। यहां बड़ा बजट भी खर्च किया जाता है। शिक्षकों की नियुक्ति के बाद इन शिक्षकों को अपग्रेड करने के लिए किसी तरह की विशेष ट्रेनिंग नहीं होती है। यही कारण है कि शिक्षक पुराने ढर्रे से ही चल रहे हैं। इंदौर सहित प्रदेश में ऐसे कई स्कूल हैं, जहां एक भी नियमित शिक्षक नहीं है। अतिथि शिक्षक के भरोसे ही स्कूल चल रहा है। इसका असर ग्रामीण अंचलों में सबसे ज्यादा है। प्राचार्य और व्याख्याताओं के कई जगहों पर पद रिक्त हैं। यहां पर प्रभारियों के भरोसे स्कूल चल रहे हैं। अधिकांश स्कूलों में चतुर्थ श्रेणी, लिपिक आदि के पद भी खाली पड़े हैं। चुनाव में शामिल हो स्कूली शिक्षा का मुद्दा सेवानिवृत्त प्राचार्य पुष्पेंद्र कानूनगो ने बताया कि स्कूली शिक्षा से ही बेहतर समाज को तैयार किया जा सकता है, लेकिन मौजूदा दौर में इंदौर सहित प्रदेश के कई स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं हैं। कई स्कूल तो अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं, जिनकी किसी तरह की जिम्मेदारी तय नहीं होती है। संकुल स्तर पर लिपिक के कई पद खाली पड़े हुए हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्तर के स्कूलों में विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी है। स्कूलों का संचालन विद्यार्थियों से जुड़ी सभी सुविधाओं और पूरी क्षमता शुरू किया जाना चाहिए। अगर स्कूली शिक्षा के मुद्दों को राजनीतिक दलों द्वारा चुनावों में शामिल किया जाए और जीत के बाद उन पर ईमानदारी से काम किया जाए तो समाज को हम बेहतर भविष्य दे पाएंगे। निजी स्कूलों से बेहतर सुविधाएं इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि स्कूली शिक्षा को लेकर बेहतर काम किया जा रहा है। सीएम राइस जैसे अत्याधुनिक स्कूल शुरू किए गए है, जहां पर निजी स्कूलों से बेहतर सुविधाएं मिल रही है। शिक्षकों की भर्ती भी की गई है, लेकिन इसके बावजूद भी स्कूली शिक्षा को लेकर बेहतर कार्य करने की जरूरत है। हम एक ऐसे सिस्टम पर काम करने जा रहे हैं, जिसमें पालक निजी स्कूल छोड़ अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में दाखिला दिलाएं। चुनाव बाद इस पर काम भी किया जाएगा।

इंदौर-खंडवा राजमार्ग, पांच सौ पेड़ बचाने के लिए तीसरी सुरंग बनाएंगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर-खंडवा-एदलाबाद राजमार्ग पर तीसरी सुरंग को हरी झंडी मिल गई। सोमवार को वन व पर्यावरण मंत्रालय की तरफ से वन विभाग मुख्यालय को पत्र भेजा गया है। इसमें 550 मीटर लंबी सुरंग को अनुमति देने का उल्लेख है। इसके बनने से चोरल वनक्षेत्र के पांच सौ से ज्यादा पेड़ों को कटने से बचाया जा सकेगा। अब भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) जल्द ही तीसरी सुरंग के लिए पहाड़ की खोदाई करेगा। यह काम अप्रैल से शुरू होगा। इस संबंध में एनएचएआइ ने मेघा कंस्ट्रक्शन एजेंसी को निर्देश दिए हैं। 216 किमी लंबे राजमार्ग के लिए इंदौर-बड़वाह वनमंडल की 82 हेक्टेयर वनभूमि अधिग्रहित की गई है। शुरुआत में प्रोजेक्ट के अंतर्गत दो सुरंग बनाई जानी थीं। इस दौरान 9881 पेड़ों को काटा जाना था। अक्टूबर 2023 में एजेंसी ने कुछ स्थानों पर वन विभाग की अनुमति बिना अलाइटमेंट बदल दिया। मामले की जानकारी लगने के बाद वन विभाग ने एनएचएआइ को दोबारा प्रोजेक्ट में संशोधन करने को कहा। इस दौरान कुछ हिस्से में विभाग ने काम रोक दिया। नवंबर 2023 में संशोधित प्रस्ताव भेजा गया, जिसमें तीन स्थानों पर अलाइनमेंट बदलने और एक सुरंग बनाने पर जोर दिया। चार महीने बीतने के बाद मंत्रालय ने संशोधित प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। अब पूरे प्रोजेक्ट में 9461 पेड़ों की बली चढ़ेगी। तीसरी सुरंग बनाई जाने से 520 पेड़ों को नहीं काटा जाएगा। ये बाईग्राम के आगे इस सुरंग के लिए पहाड़ी के बीच में से रास्ता निकाला जाएगा, जो चोरल के जंगलों से गुजरेगा।

सवा किमी सुरंग से गुजरेंगे वाहन

राजमार्ग पर तीसरी सुरंग को मंजूरी मिल चुकी है, जो प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी सुरंग बताई जा रही है। तीनों सुरंग इंदौर वनमंडल के वनक्षेत्र में आने वाले पहाड़ों को खोदकर बनाई जा रही है। भेरूघाट (300), बाईग्राम (500) और चोरल (550) मीटर की सुरंग रखी गई है। कुल मिलाकर वाहनों को 1350 मीटर यानी सवा किमी से अधिक की दूरी सुरंग से गुजरकर करना होगी।

तीन महीने रहेगा काम बंद

राजमार्ग का प्रोजेक्ट जनवरी 2025 तक पूरा किया जाना है, लेकिन एनएचएआइ ने तीन महीने अवधि बढ़ा दी। अब अप्रैल तक एजेंसी को सड़क बनाकर देना है, क्योंकि जुलाई से सितंबर के बीच बरसात में सड़क व सुरंग दोनों का काम बंद रहेगा। इस दौरान एजेंसी सड़क के दोनों हिस्सों का काम को अंतिम रूप देगी।

इंदौर में टीबी अस्पताल से मुर्दे का इंजेक्शन चुराकर लगाया था प्रेमिका को इंजेक्शन

इंदौर। 22 वर्षीय युवती को इंजेक्शन घोंपने की घटना में नया खुलासा हुआ है। आरोपित महिला सफाईकर्मी ने संक्रमित मुर्दे का खून चुराया था। इसी खून को बड़े इंजेक्शन में भरकर युवती को घोंपा गया। पुलिस घोंपने की सुपारी लेने वाले दो आरोपितों की सरगर्मी से तलाश में जुटी है।मल्हारगंज थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर किशोर कोरी ने युवती पर हमला करवाया था। युवती बर्तन बाजार में काम करती है और किशोरी से दोस्ती रही है। मामले में पुलिस किशोर कोरी, संजय वर्मा, शैलेंद्र चंदेल ,लोकेश कंडारे और उसकी पत्नी संगीता कंडारे की गिरफ्तारी कर चुकी है। किशोर ने पहले पुलिस को बताया था कि तमिल भाषाई फिल्म आई देख कर साजिश की थी। भूतेश्वर मंदिर के पास रहने वाले एक भिखारी का खून निकाला गया था। आरोपित रोहन और आकाश को सुपारी दी और युवती पर हमला करवा दिया। सख्ती करने पर पता चला सफाईकर्मी शैलेंद्र के माध्यम से लोकेश से बात हुई और लोकेश ने पत्नी संगीता से खून की व्यवस्था करने के लिए कहा। संगीता एमआरबीटी अस्पताल में सफाईकर्मी है। संगीता को नर्सिंग स्टाफ की कार्यप्रणाली और खून जांच के नमूनों की पूरी जानकारी थी। प्रत्येक नमूने पर कोड और मरीज का नाम लिखा होता है। ऐसे में खून चुराना संभव नहीं था। संगीता ने ऐसा खून चुराया जिस मरीज की मौत हो चुकी थी, क्योंकि उस खून की जांच करने की आवश्यकता नहीं थी। पुलिस अब अस्पताल से मरीज और खून की जानकारी मांग रही है।

रंगों के उल्लास पर चुनावी पहरा, गेर से दूर रहेंगे राजनीति के चेहरे

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में रंगों की अनोखी परंपरा पर भी इस बार चुनावी पहरेदारी रहेगी। 30 मार्च को रंगपंचमी आ रही है। इस दिन राजवाड़ा और गेर के मार्ग पर अनुमानित पांच लाख शहरी जुटते हैं। इस भीड़ को भुनाने से नेताओं को परहेज करना होगा। रंगपंचमी पर निकलने वाली गेरों में आदर्श आचार संहिता का असर दिखाई देगा। निर्वाचन आयोग के अधिकारी गेरों की निगरानी भी करेंगे। ऐसे में आयोजनों के पोस्टर बैनर से रंग उड़ाती गाड़ियों से नेताओं को दूरी बनाना पड़ेगी। रंगपंचमी पर गेर की अनूठी परंपरा सिर्फ इंदौर में ही प्रचलित है। ऐतिहासिक परंपरा को यूनेस्को धरोहर में शामिल करने की कोशिश भी बीते वर्षों में हो चुकी है। परंपरागत रूप से पांच से सात संगठन बीते वर्षों से गेर निकालते हैं। इनमें संरक्षक से लेकर आयोजक के रूप में भी राजनेता जुड़े होते हैं। गेर के कारवां और गाड़ियों पर राजनेता न केवल खुद के प्रचार के लिए तमाम होर्डिंग लगवाते हैं, बल्कि गेर की गाड़ियों पर सवार होकर लोगों पर रंग-गुलाल उड़ाते भी नजर आते हैं। आम चुनावों के बीच आ रही इस रंगपंचमी पर यह परंपरा बदली नजर आएगी। गेर की गाड़ियों से न केवल राजनेताओं के चेहरे गायब हो सकते हैं बल्कि आयोजकों के रूप में उनका नाम भी हटाया जाएगा। नेता नहीं बनेंगे बजरबट्टू, आयोजन निरस्त इस बीच होली के बाद होने वाला चर्चित आयोजन बजबट्टू सम्मेलन भी इस साल

नहीं होगा। आयोजन की कमान संभालने वाले अशोक चौहान (चांदू) और भूपेंद्र केसरी ने सम्मेलन के निरस्त करने की घोषणा कर दी है। चौहान ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के पालन और नियमों के सम्मान में 25 वर्षों से चली आ रही परंपरा को इस साल स्थगित किया गया है। इस संबंध में हम अब सभी को सूचना दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में कवि सम्मेलनों के साथ राजनेताओं का अनोखी वेशभूषा में शामिल होना हमेशा चर्चा का विषय रहा है। शहर की किसी हस्ती को भी बजरबट्टू सम्मान से नवाजा जाता था। इससे पहले कोविड के दौर में भी सम्मेलन स्थगित किया गया था।

न गांधीसागर में चीते आए, न सरदारपुर में खरमोर, पर्यटन सुविधाओं का भी आभाव

सिटी चीफ इंदौर।

विपुल प्राकृतिक संपदा समेटे मालवा-निमाड़ क्षेत्र में कहने को तीन अभयारण्य क्रमशः गांधीसागर, खिवनी, खरमोर हैं, लेकिन सुविधाओं और पशु-पक्षियों को लेकर यहां अभी इंतजार ही हो रहा है। गांधीसागर अभयारण्य को चीतों के नए घर के रूप में विकसित करने की तैयारी चीतों के भारत आने के बाद से की जा रही है लेकिन यहां काम अब तक पूरा नहीं हो सका है। धार के खरमोर अभयारण्य में शासन प्रतिवर्ष लाखों रुपये खर्च कर रहा है, लेकिन उसका वह उद्देश्य पूर्ण नहीं हो रहा है।जिन खरमोर पक्षियों के लिए अभयारण्य विकसित किया गया है उनकी यहां आमद नहीं हो रही है। इसी तरह खिवनी अभयारण्य में पर्यटक सुविधाओं का आभाव है। जनप्रतिनिधियों के प्रयासों में कमी और जिम्मेदारों की उदासीनता से कहीं भी स्थिति बेहतर नहीं हो पा रही है। तीनों अभयारण्य को लेकर नईदुनिया की पड़ताल। खरमोर-पक्षी आ नहीं रहे, किसान भी परेशान मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल धार जिले में खरमोर अभयारण्य स्थित है। यह सरदारपुर तहसील के ग्राम पानपुरा के घास के मैदान में 348 वर्ग किलोमीटर में फैला

हुआ है। खरमोर पक्षी यहां पर नहीं के बराबर आ रहा है। 2023 की बात करें तो यहां पर एक भी पक्षी नहीं आया था। फिर भी इसके रखरखाव के नाम पर ही हर साल 20-25 लाख रुपये खर्च किए जाते हैं। वहीं खरमोर अभयारण्य के कारण करीब 14 गांव के किसानों को परेशानी का सामना उठाना पड़ रहा है। केंद्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय के अधीन होने के कारण यहां एक अधिसूचना जारी है। इस कारण किसान जमीन को बेचने व खरीदने का कार्य नहीं कर पाते हैं। नोटरी के आधार पर ही जमीन का आदान-प्रदान करना होता है। इसमें सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल जरूर अपने स्तर पर प्रयास करते रहे हैं। ग्रेवाल ने बताया कि किसानों की समस्या को लेकर हम लगातार प्रयास करते हैं। गांधीसागर संभावना भरा क्षेत्र लेकिन बजट की कमी मंदसौर जिले में गांधी सागर अभयारण्य को विकसित किया जा रहा है। अभी यहां तेंदुआ, भालू, हिरण, नीलगाय सहित कई वन्य प्राणी हैं। वहीं 225 तरह की पक्षी प्रजातियां भी मौजूद हैं। अब चीतों के लिए भी तैयारी की जा रही है। अभयारण्य में सभी व्यवस्थाएं भी हैं और गांधी सागर बांध का जलभराव क्षेत्र भी है। पर्यटकों के रुकने के लिए मप्र पर्यटन विभाग का होटल है। लेकिन बावजूद इसके बजट अभी कम ही मिलता है। चीतों को लाने की तैयारी दो साल से जारी है पर फिलहाल इंतजार के सिवाय कुछ नहीं मिला। व्यवस्था चाक-चौबंद होने का दावा, मैदान में इंतजाम नाकाफी देवास जिले में खिवनी वन्य प्राणी अभयारण्य स्थित है। इसमें सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद होने का दावा किया जाता है लेकिन हकीकत में स्थिति वैसी नहीं है। वन्य प्राणी अभयारण्य में लगभग आठ बाघ भी हैं। पर्यटकों के रुकने के लिए यहां व्यवस्थाएं तो है लेकिन इसमें काफी सुधार की जरूरत महसूस होती है। 134 वर्ग किलोमीटर में फैले पूरे अभयारण्य में तेंदुआ, भालू, चीतल, काला हिरण सहित सैकड़ों प्रजाति के पक्षी और सरीसृप भी मौजूद हैं। परंतु अभयारण्य के कुछ हिस्सों में फेंसिंग नहीं होने से अनाधिकृत आवाजाही होती है। आसपास के गांवों के लोग भी आते-जाते रहते हैं। कागजों से बाहर नहीं ?आया अभयारण्य राज्य सरकार ने निमाड़ क्षेत्र के बुरहानपुर में सघन वन क्षेत्र को देखते हुए यहां नया अभयारण्य गठन के निर्देश दिए थे। इसके बाद सर्वे आदि कर व्यवस्थाएं जुटाने की बात भी कही गई थी लेकिन दो साल बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस है। अभयारण्य फाइलों से बाहर नहीं आ पाया है।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का खेल मैदान बना शराबियों का अड्डा, जगह-जगह बिखरी पड़ी बोतलें

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी का बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का खेल मैदान इन दिनों शराबियों का अड्डा बना हुआ है। मैदान में जगह- जगह पड़ीं शराब की बोतलें इस बात की पुष्ठि कर रही हैं कि रात के अंधेरे में मैदान में शराबियों की महफिल जमती है। यह ऐसे समय में हो रहा है कि विश्वविद्यालय के चंदन के पेड़ और आवासों में चोरी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। शराब की बोतलें यहां के सुरक्षा इंतजामों में बरती जा रही लापरवाही की भी पोल खोलती हैं। हम बता दें कि दिसंबर 2023 में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर में निवास स्थापना शाखा के कर्मचारी मनोहर हेडाऊ के सूने आवास को अज्ञात चोरों ने

निशाना बनाकर सोने-चांदी के जेवरात और पचास हजार रुपये गायब किए थे। इसकी शिकायत पर एफआइआर दर्ज कर ली थी। इससे पहले चंदन पेड़ चोरों को भी पुलिस ने पकड़ा था। इस मैदान में पड़ी हैं शराब की बोतलें बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के पास दो खेल के मैदान हैं, एक विश्वविद्यालय के गेट के बगल में दूसरा उसके पीछे बना हुआ है। यहां समय-समय पर वीआइपी मूवमेंट को लेकर हेलीपेड बनाया जाता है। यहां पुलिस ने पक्का निर्माण कर हेलीपेड बना दिया है। यहां लोग क्रिकेट खेलते हैं और सुबह लोग सैर करने आते हैं। इस मैदान पर रात में अंधेरा होता है, जहां लोग जमा होते हैं। इस मैदान में हर कोने में शराब की बोतल और पानी बोतलों पड़ी रहती हैं। जबकि इन मैदान की सुरक्षा का जिम्मा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा गार्ड पर है। विश्वविद्यालय में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, लेकिन एक दो जगहों पर बाउंड्रीवाल टूटने के कारण अज्ञात व्यक्ति अंदर घुस जाते हैं। इसकी कई बार थाने में शिकायत की जा चुकी है।

ढाबे पर खाना खाने जा रहे बाइक सवार को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत, साथी घायल

मिसरोद इलाके में रविवार-सोमवार की दरमियानी देर रात बाइक सवार दो युवकों को एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। बाइक सवार दोस्त के जन्मदिन का केक काटने के बाद खाना खाने ढाबे पर जा रहे थे। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर सीसीटीवी की मदद से कार की तलाश शुरू कर दी है। मिसरोद पुलिस के अनुसार मूलत: भिंड का रहने वाला 32 वर्षीय प्रशांत राजावत निजी काम करता था और भोपाल में फार्चून डिवाइन सिटी नर्मदापुरम रोड पर किराए पर कमरा लेकर दोस्त अंकुर सिंह के साथ रहता था। अंकुर भी भिंड का

रहने वाला था। 18 मार्च को अंकुर का जन्मदिन था। 17 मार्च की रात 12 बजते ही अंकुर ने अपने जन्मदिन का केक काटा और घर में छोटी से पार्टी करने के बाद दोनों दोस्त खाना खाने के लिए वृंदावन ढाबा जाने के लिए बाइक से निकले थे। रास्ते में शनि मंदिर के पास पीछे से तेज रफ्तार कार आई, जिसने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों दोस्त बाइक से उछलकर सड़क पर गिर गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। जहां पर डाक्टरों ने प्रशांत को मृत घोषित कर दिया। अंकुर के पैर व हाथ में भी गंभीर चोटें आई हैं। उसका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। मृतक के स्वजनों के पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया।

मध्य प्रदेश में 2019 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद दिग्गज नेता उतरे थे लोकसभा चुनाव में, नहीं बचा पाए थे साख

सिटी चीफ भोपाल।

वर्ष 2019 में कांग्रेस की सरकार रहते समय कांग्रेस के दिग्गज नेता जीत के प्रति बेहद आशान्वित होकर लोकसभा चुनाव में उतरे लेकिन की साख नहीं बचा पाए। ऐसी आठ लोकसभा सीटें रही जहां दिग्विजय सिंह, कांतिलाल भूरिया अरूण यादव और विवेक तन्खा जैसे बड़े नेता चुनाव लड़ रहे थे, लेकिन इन्हें भाजपा प्रत्याशियों से बड़े अंतर से हार मिली। उस दौर में ज्योतिरादित्य सिंधिया भी कांग्रेस में थे और गुना- शिवपुरी सीट से पराजित हुए थे। ऐसी सीटों में रतलाम, मुरैना, ग्वालियर, खंडवा, सीधी, भोपाल और जबलपुर शामिल हैं। इन सभी सीटों पर दिग्गज नेता उतारे गए थे। कांग्रेस इस बार नई पीढ़ी और नए नेतृत्व के साथ लोकसभा चुनाव के मैदान

में उमर रही है इसलिए प्रदेश की प्रत्येक सीट पर लंबा विचार मंथन कर प्रत्याशी चयन के लिए जोड़ गणित लगा रही है। केंद्रीय नेतृत्व तो चाहता था कि सभी दिग्गज लोकसभा चुनाव लड़ें, लेकिन कोई तैयार नहीं हो रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस अब तक 18 सीट पर प्रत्याशी चयन नहीं कर पाई है। भाजपा ने 29 लोकसभा सीट पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं, लेकिन कांग्रेस केवल 10 सीट पर ही प्रत्याशी घोषित कर पाई है। बड़े अंतर से हारने वाली इन सीटों पर इस बार भी की तलाश की जा रही है।

क्राइम ब्रांच के पुलिस कर्मियों ने कार्रवाई की सूचना की लीक, एएसआई समेत दो निलंबित

सिटी चीफ भोपाल।

क्राइम ब्रांच पुलिस जुआरी नरेश मरघट के जुए पर रेड कर पाती इससे क्राइम ब्रांच के ही दो पुलिसकर्मियों ने यह सूचना लीक कर दी। टीम जब मौके पर पहुंची तो जुए की फड़ उठ चुकी थी। पुलिस को कोई नहीं मिला, नरेश मरघट भी भाग चुका था। डीसीपी क्राइम श्रुतकीर्ति ने टीम के सदस्यों की कॉल डिटेल खंगलवाई। इसमें एएसआई विजय वरन यादव और आरक्षक सौरभ राजावत की जुआरी से मिलीभगत पाई गई। रात साढ़े 11 बजे डीसीपी ने दोनों को गोपनीयता भंग करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। मामले की जांच एसीपी क्राइम मुख्तार कुरैशी को सौंपी गई है।

जानकारी के मुताबिक, चार दिन पहले क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी कि छोला मंदिर इलाके में जुआरी नरेश मरघट का जुआ संचालित हो रहा है। पुलिस जुए की फड़ पर छापा मारने के लिए तैयार की गई। रात करीब 9 बजे पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो उन्हें कोई नहीं मिला। जबकि मुखबिर ने बताया था कि बड़ा जुआ चल रहा था। काफी लोग मौजूद हैं। लाखों रुपये के हार-जीत के दांव लगाए जा रहे हैं। जुआरी अचानक जुआ बंद कर भाग निकले। उसने आशंका जताई कि सूचना कहीं से लीक हुई है और जुआरी नरेश मरघट तक पहुंची, जिससे वह मौके से भाग निकला। बताया गया था कि नरेश बड़ा जुआ चलवा रहा था। नरेश का काल इंटरसेप्टर पर था। इस बात की जानकारी अफसरों को लगी कि टीम खाली हाथ लौट आई है। पूर्व डीसीपी क्राइम श्रुतकीर्ति ने मुखबिर की आशंका के मद्देनजर टीम में शामिल सभी पुलिसकर्मियों के काल डिटेल खंगलवाए। इसमें क्राइम ब्रांच से एएसआइ विजय वरन यादव और आरक्षक सौरभ राजावत की जुआरी नरेश मरघट से मिलीभगत पाई गई है।

टेंट हाउस गोदाम में फटे थे 25 सिलेंडर एजेंसी की जानकारी जुटा रहा विभाग

सिटी चीफ भोपाल।

शहर के अरविंद विहार बागमुगालिया पुरानी बस्ती में विगत शुक्रवार को लगी भीषण आग के मामले में जिला खाद्य विभाग द्वारा जांच की जा रही है। अब तक की जांच में पता चला है कि नर्मदा टेंट हाउस के गोदाम में लगभग 25 सिलेंडर फटे थे। ये सिलेंडर मौके पर ही क्षत-विक्षत हालत में पड़े हुए हैं। हालांकि विभाग ने गोदाम को सील कर दिया है। अब गैस एजेंसी की जानकारी विभाग द्वारा जुटाई जा रही है। जानकारी के अनुसार नर्मदा कैटरर्स और गैस एजेंसी गोदाम में भीषण आग लगने के बाद जिला प्रशासन के खाद्य विभाग और राजस्व विभाग ने मौके का निरीक्षण किया था। जहां से लगभग 61 खाली व्यवसायिक सिलेंडर जब्त किए गए थे। टेंट संचालक द्वारा शिवा भारत गैस एजेंसी से सिलेंडर लिया जाना पता चला है। इसके अलावा मौके पर ही 20 से 25 सिलेंडर पड़े हुए हैं, जिनमें आग लगने के बाद ब्लास्ट हुआ था। बताया जा रहा है कि संचालक के पास गैस सिलेंडर के लिए कई डायरियां मौजूद थीं। इन्हीं से वह सिलेंडर लेता था। विभाग द्वारा इसकी जांच की जा रही है कि टेंट संचालक को इतनी बड़ी संख्या में डायरियां कैसे उपलब्ध कराई गई हैं। विभाग द्वारा एजेंसी की भूमिका के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। सूत्र बता रहे हैं कि गोदाम में गैस रीफिलिंग के बारे में रहवासियों ने शिकायत भी की थी। इसका भी पता विभाग द्वारा लगाया जा रहा

है।

247 सिलेंडर किए गए थे जब्त

जिला खाद्य एवं राजस्व विभाग की टीम ने गोदाम सहित अन्य जगह से लगभग 247 खाली-भरे व्यवसायिक सिलेंडर जब्त किए थे। अमले ने घटनास्थल से 61 व्यवसायिक सिलेंडर, मंदिर के पास में बागमुगालिया नर्मदा कैटरर्स से दो भरे एवं 11 आंशिक भरे और 91 खाली गैस सिलेंडर जब्त किए थे। कैटरर्स के किचन के सामने स्थित गोदाम से 82 व्यवसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए थे।

मामले की चल रही जांच

टेंट गोदाम में लगी आग के मामले की जांच जारी है। जहां से 61 खाली सिलेंडर जब्त किए गए हैं। जबकि कुछ सिलेंडरों में मौके पर ब्लास्ट हुआ था। जल्द ही जांच रिपोर्ट तैयार कर कलेक्टर को सौंपी जाएगी।

भोपाल स्टेशन पर ड्राप एंड गो लेन में एसयूवी ने युवती को मारी टक्कर, मौत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल रेलवे स्टेशन परिसर में प्लेटफार्म एक की तरफ से बाहर निकल रही 24 वर्षीय युवती को एक एसयूवी ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में युवती को अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। घटना सोमवार शाम पांच बजे की है। एसयूवी चालक अपनी बहन को लेने स्टेशन आया था। पुलिस ने एसयूवी को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया है। चालक फरार है। जीआरपी टीआइ जहीर खान ने बताया कि बैतूल की रहने वाली मेधा वैष्णव (24 वर्ष) पढ़ाई करती है। वह अपनी सहेली के साथ बैतूल से ट्रेन में सफर कर भोपाल पहुंची थी। वह भोपाल स्टेशन की नई बिल्डिंग के बाहर निकल रही थी, उसी समय दो लड़के एसयूवी में सवार होकर अपनी बहन को लेने आए थे। उन्होंने ड्राप एंड गो लेन में मेधा को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लोगों ने एक युवक को पकड़ा, चालक फरार

इधर, हादसे के बाद एसयूवी चालक ने वाहन के साथ भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने दौड़कर एक युवक को पकड़ लिया, जबकि उसका चालक भागने में सफल हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक युवती के स्वजनों को सूचना दे दी गई है।

40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता है, तो नहीं मिलेगी घर से मतदान की सुविधा, जान लें नए नियम

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव में अब 40 प्रतिशत से कम दिव्यांग मतदाता घर से मतदान नहीं कर सकेंगे। इसी तरह 80 वर्ष से 85 वर्ष तक की आयु वाले मतदाताओं को भी केंद्रों पर मतदान करने जाना होगा। दरअसल निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले नियमों में बदलाव कर दिया है। नियमों के अनुसार 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं को घर से मतदान करने का मौका मिलेगा और दिव्यांगों की जांच कराई जाएगी। इस दौरान चुनाव अधिकारी उनके दिव्यांगता का प्रमाण-पत्र भी देखेंगे, जिसमें 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता होनी चाहिए। जांच के बाद ही उन्हें घर से मतदान का मौका दिया जा सकेगा। लोकसभा चुनाव में नए आदेश के बाद सभी बीएलओ ने अपने-अपने क्षेत्र में जांच शुरू कर दी है। दिव्यांगों की अलग से सूची तैयार कर उनके शारीरिक

सत्यापन के साथ दिव्यांगता का प्रतिशत भी देखा जाएगा। जिसके बाद वह घर से डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कर सकेंगे। उपजिला निर्वाचन अधिकारी दीपक पांडे का कहना है कि 85 वर्ष से अधिक आयु वाले और दिव्यांग मतदाताओं के संबंध में सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं।

आरटीई के तहत 66 हजार बच्चों को मिला पहली पसंद का स्कूल, 27 हजार सीटें अब भी रिक्त

सिटी चीफ भोपाल।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए प्रदेशभर के 23 हजार निजी स्कूलों में 1.12 लाख सीटों पर 84 हजार 795 बच्चों को लाटरी निकालकर उन्हें स्कूल आवंटित किया गया। अब भी 27 हजार 305 सीटें खाली हैं। इसमें साढ़े 66 हजार को पहली पसंद का, साढ़े नौ हजार को दूसरी, पांच हजार को तीसरा और डेढ़ हजार को चौथे पसंद का स्कूल आवंटित किया गया। जिनको स्कूल का आवंटन हुआ है, वे आरटीई पोर्टल से आवंटन पत्र डाउनलोड करके 22 मार्च तक स्कूल में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश के लिए उपस्थित होने पर संबंधित स्कूल द्वारा आरटीई मोबाइल एप से एडमिशन रिपोर्टिंग करना अनिवार्य है, क्योंकि जिनकी एप से रिपोर्टिंग नहीं होगी, वह प्रवेश मान्य नहीं

होगा। अभिभावकों से अपील की गई है कि बच्चे के स्कूल में उपस्थिति के समय ही स्कूल द्वारा मोबाइल एप से फोटो लेना एवं ओटीपी के माध्यम से एडमिशन रिपोर्टिंग अवश्य करें। प्रथम चरण में आवंटित स्कूल में यदि प्रवेश नहीं लेना चाहते हैं तो जिन स्कूलों में सीटें रिक्त रह जाएंगी, उन स्कूलों की च्वाइस दर्ज कर सकेंगे। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक धनराजू एस का कहना है कि पहली व दूसरी पसंद के स्कूलों में ही अभिभावक बच्चों का एडमिशन कराते हैं, इसलिए आरटीई के तहत सीटें खाली रह जाती हैं।

कांग्रेस में नए चेहरों को मिल सकता है अवसर, आज घोषित हो सकती है दूसरी सूची

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश संगठन में परिवर्तन के बाद अब कांग्रेस की लोकसभा चुनाव में नए चेहरों पर दांव लगाने की तैयारी है। 10 सीटों की पहली सूची में जिस तरह टीकमगढ़ से पंकज अहिरवार, धार से राधेश्याम मुवेल और खरगोन से पोरलाल खरते को प्रत्याशी बनाया गया, उसी तरह अन्य सीटों पर भी नए चेहरे देने की तैयारी है। इसको लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित वरिष्ठ नेता प्रत्याशी चयन को लेकर चर्चा कर चुके हैं। केंद्रीय चुनाव समिति को प्रत्येक सीट के लिए एक नाम प्रस्तावित किया जाएगा ताकि मंगलवार को दिल्ली में होने वाली बैठक में अंतिम रूप देकर प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएं। कांग्रेस ने प्रदेश की 20 लोकसभा सीटों में से 10 के प्रत्याशी घोषित किए हैं। इनमें भिंड से फूल सिंह बरैया और देवास से

राजेंद्र मालवीय को छोड़ दिया जाए तो बाकी प्रत्याशियों की आयु 50 वर्ष या उससे कम है। इनमें से तीन विधायक (सतना से सिद्धार्थ कुशवाहा, मंडला से ओमकार सिंह मरकाम और भिंड से फूल सिंह बरैया) और सीधी से पूर्व विधायक कमलेश्वर पटेल को प्रत्याशी बनाया है। बैतूल से रामू टेकाम पर फिर भरोसा जताया है। खजुराहो सीट समझौते में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को दे दी है। लोकसभा की शेष बची 18 सीटों के लिए जिन नामों पर विचार किया गया है उनमें से अधिकतर पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कुछ विधायक और पूर्व विधायकों पर भी दांव लगाया जा सकता है। इंदौर, भोपाल और जबलपुर में नया चेहरा देने की तैयारी की है तो राजगढ़ और रतलाम से पूर्व विधायक को चुनाव लड़ाया जा सकता है। बालाघाट के लिए पार्टी के पास हिना कांवरे, कंकर मुंजारे, सम्राट सिंह सरस्वार के नाम प्रस्तावित किए हैं। मुरैना और ग्वालियर में सामाजिक समीकरण के कारण अभी एक राय नहीं बनी है। रविवार को पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार ने भोपाल में पटवारी से भेंट भी की। वहीं, विदिशा से पूर्व सांसद प्रतापभानु शर्मा भी पहुंचे। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया है। गुना का मामला अरुण यादव की दावेदारी के कारण उलझ गया है। यादव प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी जितेंद्र सिंह से भेंटकर गुना लोकसभा से चुनाव लड़ने के संबंध में अपना पक्ष रख चुके हैं। रीवा से कांग्रेस महापौर अजय मिश्रा को चुनाव लड़ाना चाहती है। उधर, सेमरिया से विधायक अभय मिश्रा ने पत्नी नीलम मिश्रा की दावेदारी पेश कर दी है।

संपादकीय

लंबे खिंचते चुनाव और सत्ता में वापसी की संभावना का सांख्यिकीय सच!

चुनाव आयोग द्वारा 18 वीं लोकसभा के निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही विपक्ष इस 7 चरणीय चुनाव कार्यक्रम पर सवाल उठा रहा है। संदेह का आधार यह है कि आज जब प्रौद्योगिकी इतनी उन्नत हो गई है तब समूचे देश में ढाई महीने तक चुनाव प्रक्रिया चलाने का क्या मतलब है? 81 दिन तक आचार संहिता लगाकर विकास कार्यक्रमों पर इतने लंबे ब्रेक का क्या औचित्य है? क्या इसके पीछे किसी खास राजनीतिक दल को अपनी चुनावी किलेबंदी पुख्ता करने की मोहलत देते जाने का छुपा मंतव्य है या चुनाव निष्पक्षता से कराने का आग्रह है? राजनीतिक हलको में यह सवाल भी संजीदगी से तैरने लगा है कि चुनाव प्रक्रिया के लगातार लंबा खिंचने के साथ देश क्या अघोषित रूप से उस अध्यक्षीय प्रणाली की ओर बढ़ रहा है, जिसमें जनता राजनीतिक दल से ज्यादा उसके चेहरे पर पर दांव लगाना ज्यादा बेहतर समझती है। प्रकारांतर से यह नए किस्म का अधिनायकवाद अथवा राजतंत्र है, जो गुजरता तो लोकतांत्रिक प्रोसेस से है, लेकिन उसका मंतव्य व्यक्ति केन्द्रित सत्ता को वैधता प्रदान करना है। क्या यह चुनाव भी विचारधारा, कार्यक्रम, प्राथमिकताओं और विकास जैसे अहम मुद्दों के परे जाकर एक चेहरे को ध्यान में रखकर ही लड़ा जा रहा है? और यह भी कि किसी चेहरे विशेष पर लोकमानस की अति निर्भरता किस सत्तातंत्र की ओर इशारा करती है? सात दशकों के लोकतंत्र के बावजूद क्या भारतीय मतदाता की जड़ें अभी भी व्यक्ति आराधन से से ही सिक्त हैं। बदलाव केवल इतना है कि वंशवाद की सीमाएं लांघ कर वह अब चमत्कारी चेहरे पर केन्द्रित हो गई है। अब पहला सवाल चुनाव प्रक्रिया के असाधारण रूप से लंबा खिंचने का, इस देश में सबसे लंबा चुनाव 1951-52 में हुआ पहला आम चुनाव था, जो लगभग 4 महीने तक 68 चरणों में हुआ था। तब देश में कुल मतदाता 17.32 करोड़ थे, जिनमें से मात्र 44.87 लोगों ने ही हिस्सा लिया था। वो चुनाव लगभग एक तरफा था। नेहरू गांधी की आंधी थी। चुनाव कुल 489 सीटों के लिए हुआ था और इसमें से कांग्रेस ने 364 सीटें जीत ली थीं। विपक्ष कम्युनिस्ट और समाजवादी पार्टी थे, जिन्हें कुल 28 सीटें मिली थीं। चुनाव लंबा खिंचने का बड़ा कारण शायद यह था कि समूचे देश में पहली बार आम चुनाव हो रहे थे (लोकसभा व विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे और 89 निर्वाचन क्षेत्रों में दोहरी जनप्रतिनिधित्व प्रणाली थी। यानी एक ही सीट से सामान्य और आरक्षित वर्ग का प्रत्याशी चुना था। दोनो के लिए अलग अलग मतपेटियां रखी जाती थीं)। पूरे देश में 1 लाख 96 हजार से ज्यादा मतदान केन्द्र थे, इनमे से 25 हजार 527 महिलाओं के लिए आरक्षित थे। लेकिन तब भी चुनाव परिणामों, चुनाव प्रक्रिया के दीर्घावधि होने तथा ऐसा करने के पीछे किसी दल को लाभ पहुंचाने की मंशा पर कोई सवाल नहीं उठे थे। तब विपक्ष बेहद कमजोर था। उस आम चुनाव में दो मुख्य विपक्षी पार्टियों ने जितनी सीटें जीती थीं, उनकी संख्या आज सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के सांसदों की संख्या की तुलना में लगभग आधी थी। इसके पांच साल बाद 1957 में हुए आम चुनाव (लोस के साथ साथ विस चुनाव भी) चुनाव आयोग ने मात्र 20 दिनो में सम्पन्न करा दिए। कम अवधि में चुनाव कराने के बाद भी कांग्रेस ही 371 सीटें जीतकर सत्ता में लौटी। यह चुनाव भी मुख्य रूप से प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की छवि और देश के नेहरूवादी विकास मॉडल को मिला जनसमर्थन था। नेहरू सरकार के मुख्य आलोचक कम्युनिस्ट और समाजवादी थे, जिन्हें चुनाव में कुल 46 सीटें मिली थीं। 1962 तक आते- आते देश में स्वप्निल नेहरूवादी सोच की आभा घटने लगी। बेरोजगारी, अशिक्षा, महंगाई, क्षेत्रवाद जैसे मुद्दे सिर उठाने लगे। फिर भी कांग्रेस आम चुनाव में 361 सीटें जीतने में कामयाब रही। यह चुनाव भारत पर चीनी हमले के 8 माह पूर्व हो चुके थे। अगर चुनाव उस चीनी हमले में भारत की करारी हार के बाद हुए होते तो चुनाव परिणाम क्या होता, इसकी सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। अलबत्ता युद्ध में जीत अथवा शत्रु पर प्रत्याक्रमण सत्तारूढ़ दल के लिए हमेशा फायदेमंद रहे हैं। पं. जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री पीएम बने और उनके कार्यकाल में 1965 के दौरान हुए भारत- पाक युद्ध में भारतीय सेना की सफलता ने कांग्रेस को सहारा दिया। 1967 के आम चुनाव में कांग्रेस किनारे पर ही सही, 283 सीटों के साथ वापस सत्ता में आ गई। दूसरी तरफ देश राजनीतिक करवट बदल रहा था। गैर कांग्रेसवाद की भावना जोर पकड़ने लगी थी। विपक्षी पार्टियां जिनमें वामपंथी प्रमुख थे, मजबूत होने लगे थे तो दूसरी तरफ हिंदूवादी जनसंघ जैसी पार्टियों के लिए भी स्पेस बनने लगा था। धर्मनिरपेक्षता और धर्मसापेक्षता के तेवर तीखे होने लगे थे। अंतरराष्ट्रवाद और राष्ट्रवाद में टकराव तेज होने लगा था। साथ में गरीबी, महंगाई और समाजवादी सोच के प्रश्न तो थे ही। इसी दौरान श्रीमती इंदिरा गांधी ने समाजवादी और वामपंथ की ओर झुका कार्ड खेलना शुरू किया। उन्होंने पुराने कांग्रेसियों को ठिकाने लगाते हुए पार्टी तोड़ी और मध्यावधि चुनाव करवाए। इसी के साथ देश में 15 साल से चली आ रही 'एक देश, एक चुनाव' की अघोषित परंपरा भी टूट गई। इंदिराजी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया। देश में चुनाव फिर व्यक्ति केन्द्रित हो गया। इंदिराजी की नई 'इंदिरा कांग्रेस' नए चुनाव चिन्ह गाय बछड़ा के साथ 352 सीटें जीतकर सत्ता में लौटी। दूसरी तरफ पहली बार कम्युनिस्टो को पीछे छोड़ते हुए विपक्ष में हिंदुत्ववादी जनसंघ ने 35 सीटें जीतकर संकेत दे दिया कि आने वाले पांच दशकों की राजनीति की दिशा क्या होने वाली है। इंदिराजी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर ऐतिहासिक काम किया। इसका लाभ कांग्रेस को 1972 में राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में हुआ। अधिकांश जगह कांग्रेस जीती। इसी के साथ उनमें सत्ता का घमंड भी घर कर गया। विपक्ष को कुचलने के लिए उन्होंने देश में आपातकाल लगा दिया। कम्युनिस्टों का एक धड़ा इस मामले में उनके साथ था।इसी इमर्जेंसी में इंदिरा गांधी की सरकार ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए भारतीय संविधान की उद्देशिका में संशोधन कर उसमें 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द भी जुड़वा दिए। जबकि आपातकाल में समूचा विपक्ष जेल में था। बाहरी और आंतरिक दबाव में देश में 1977 में आम चुनाव कराए गए। यह आम चुनाव प्रक्रिया महज 5 दिनों में सम्पन्न हो गई। 6 दलों को मिलाकर बनी जनता पार्टी, जिनमें भाजपा का पूर्ववर्ती जनसंघ भी था, 295 सीटें जीतकर सत्ता में आई। उसे भारत की 'दूसरी आजादी' कहा गया। लेकिन यह आजादी ज्यादा नहीं टिकी। नेताओं की महत्वाकांक्षा की अंतर्कलह और राजनीतिक दिशाहीनता ने फिर से इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी का रास्ता साफ किया। इंदिरा गांधी ने 1980 के चुनाव में 353 सीटें जीत कर सत्ता में वापसी की। यह चुनाव प्रक्रिया भी मात्र 2 चरणों में पूरी हो गई। जबकि वोटरों की संख्या 1952 की तुलना में दोगुनी भी ज्यादा हो चुकी थी। चुनावी चरणों के बढ़ने का सिलसिला 1984 से तेज हुआ, जब देश में आतंकवाद बढ़ने लगा। सुरक्षा सम्बन्धी समस्या और मतदान केन्द्रों की बढ़ती संख्या इसका बड़ा कारण थे। 1984 का आम चुनाव 1 महीने में 4 चरणो में हुआ। उधर विपक्ष के मजबूत होने से चुनाव ज्यादा कर्कश, बाहुबल और धनबल केन्द्रित होते चले गए। चुनाव से पहले इंदिरा गांधी की हत्या हो गई। देश में सहानुभूति की लहर चली और कांग्रेस 414 सीटें जीत गई। (शायद इसी रिकॉर्ड की बराबरी का लक्ष्य मोदीजी ने अब एनडीए के लिए रखा है)। देश के सत्ता इंदिराजी के बेटे राजीव गांधी के हाथ आई। वो परिस्थितिवश पीएम बने थे। बहुत ज्यादा राजनीतिक व जमीनी संघर्ष का अनुभव और सियासी चतुराई उनमें नहीं थी। 1989 चुनाव वो कांग्रेस को नहीं जितवा सके। उधर वोटरों का धार्मिक और जातीय आधार पर ध्रुवीकरण और तेज हो गया। +

परिवार से रिश्ता पुराना है, प्रासंगिकता के लिए संघर्ष कर रही नेहरू-गांधी की थकी हुई विरासत

परिवार मायने रखता है। एक बुनियादी सामाजिक इकाई के रूप में परिवार राजनीति में विचारधारा को स्थायित्व की भावना देता है, जबकि सिद्धांत केवल निश्चिंतता प्रदान करते हैं। एक ऐसे युग में, जब दृश्य एवं अन्य संवेदी संचार चुनाव अभियान में लोगों की धारणाओं को प्रभावित करते हैं, हर कोई अपनी आदर्श पारिवारिक तस्वीर को भुनाना चाहता है। यह उन समाजों में अधिक होता है, जहां राजनीति में सार्वजनिक एवं निजी, दोनों तत्व घुले-मिले होते हैं। राजनीति में सत्ता विरासत के रूप में परिवार से भी मिलती है। प्रतिभा और लोकप्रियता से यादा रक्त-संबंध मजबूत बन जाता है। यह परिवार ही है, जो मायने रखता है, विचारधारा नहीं। राजनीतिक वंशवाद परिवार को सर्वोच एवं उन्नत संस्था के रूप में सम्मान देता है। यह उन परिवारों में होता है, जहां भरोसे का सबसे सचा स्वरूप लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रवृत्ति के विरुद्ध विकसित और संरक्षित किया जाता है। भारतीय राजनीति का परिवार से उतना ही पुराना रिश्ता है, जितना देश की स्वतंत्रता का, और अगर कोई एक संविधानेतर संस्था है, जिसने लोकतंत्र के रूप में राष्ट्र की यात्रा को परिभाषित किया है, तो वह परिवार है। नेहरू-गांधी परिवार भले ही दुनिया के सबसे स्थायी परिवारों के रूप में बचा हो, इसके अंतिम हांफते दिन लगातार भारतीय राजनीति को एक रंगमंच प्रदान करते रहे हैं, जिसमें एक थकी हुई विरासत अपनी प्रासंगिकता के लिए संघर्ष करती है। भारत की राजनीतिक जमीन इतनी उर्वर है कि विभिन्न आकार एवं प्रभाव वाले परिवार अब भी विशेषाधिकार के रूप में सत्ता पर पकड़ बनाए हुए हैं। वंशावली जितनी लंबी होगी, सत्ता का अराष्ट्रीयकरण उतना ही आसान हो जाएगा। एक प्रांतीय परिवार के बुजुर्ग ने परिवार न होने के लिए प्रधानमंत्री को दोषी ठहराते हुए कहा = अगर नरेंद्र मोदी का अपना परिवार नहीं है, तो हम क्या कर सकते हैं? फिर उन्होंने मोदी के एक सचे हिंदू पुत्र होने पर भी सवाल उठाया। प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह बयान लालू प्रसाद यादव जैसे व्यक्ति की तरफ से आया है, जो बताता है कि भारतीय राजनीति में पारिवारिक मूल्य कैसे काम करते हैं। लोहिया विचारधारा के पुराने समाजवादी लालू प्रसाद कांग्रेस विरोध की अपनी मूल प्रवृत्ति से काफी दूर हो गए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने बिहार को बुरे प्रदेश का पर्यायवाची बना दिया और जंगलराज उनके शासन का आदर्श संस्करण था। और अंत में, वह स्वयं समाजवादी हृदयस्थल की त्रासदी का एक गिरा हुआ पात्र बन गए। उन्होंने कई भूमिकाएं निभाईं, अणे मार्ग के सशक्त चरवाहे से लेकर भारतीय राजनीति के पहले विदूषक तक, जो चुटकुले की चुनावी ताकत को समझते थे। भले ही अंततः चुटकुले भी उन्हीं पर बने। उन्होंने भारत की पहली किचेन कैबिनेट के निर्माता की जो भूमिका निभाई, वह पूर्णता लिए थी। जिस चीज ने उनके जीवन को संतुष्ट किया, वह उनके वंश की ताकत थी, जिसकी उन्होंने जेल और अन्य जगहों पर भी अपनी विरासत की तरह देखभाल की। वह पितृपुरुष (लालू) आज स्वयं को पारिवारिक मूल्यों के योग्य उपदेशक के रूप में देखते हैं। यह बात शुरू से ही गलत है कि मोदी का अपना जैविक परिवार नहीं है। यदि लालू प्रसाद का आशय राजनीति में पारिवारिक व्यक्ति के होने से है, तो शायद मोदी अयोग्य हैं, क्योंकि उनके परिवार का कोई भी सदस्य सत्ता में साझेदार नहीं है। मोदी ने आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया = मेरा जीवन खुली किताब है। एक सौ चालीस करोड़ भारतीय मेरे परिवार हैं। आज इस देश की करोड़ों माताएं एवं बहनें मोदी का परिवार हैं। इस देश का हर गरीब आदमी मेरा परिवार है। जिसका कोई नहीं है, वह मोदी का है और मोदी उनके हैं। पारिवारिक मूल्यों को नष्ट करने वाले सिर्फ एक बयान के साथ, जिसे लालू प्रसाद और विपक्ष के उनके यादातर साथी अपने राजनीतिक उद्यम में बढ़ावा देते हैं, मोदी ने परिवार की साख को एक ऐसा अर्थ दिया, जिसे भारत में कोई दूसरा राजनेता दोहराने के योग्य नहीं है। प्रधानमंत्री की पारिवारिक व्यक्ति के रूप में आत्म-छवि हमेशा की तरह उन्हें राजनीति के एक ऐसे दायरे में ले जाती है, जहां परम राष्ट्रवादी के लिए व्यक्तिगत अपेक्षाएं खत्म हो जाती हैं। यदि राष्ट्र लोगों की सामूहिक कल्पना है, तो केवल भावनाओं की उच खुराक ही इसे तत्काल और अंतरंग अनुभव बना सकती है। यह मोदी के लिए सबसे फायदेमंद भी है। सत्ता में भारतीय पारिवारिक व्यक्ति का यह आदर्श संस्करण उन्हें उस राजनीतिक संस्कृति से अलग करता है, जिसने परिवार पहले को संस्थागत बना दिया है। इसका सबसे स्पष्ट प्रतिनिधि एक ऐसी भूमिका निभा रहा है, जिसके बारे में उसके अलावा हर कोई जानता है, वह राजनीति में गलती से आ गया है। उसने पहले ही दिखा दिया है कि दुनिया के सबसे पुराने राजनीतिक परिवार में से एक ने खुद को मोदी के भारत में निरर्थक बना लिया है। कोई भी आह्वान इस क्षेत्र में राहुल के लिए जगह नहीं बना सकता है, जहां वह लगातार भारत के साथ बेहतर संवाद में असमर्थता या मोदी के खिलाफ तर्क देने पर जोर देते हैं। वह विपक्षी गठबंधन के प्रमुख बने हुए हैं, जो केवल यह दर्शाता है कि मोदी के खिलाफ खड़े सहयोगियों को इस परिवार ने कैसे कहीं नहीं पहुंचने का रास्ता दिखाया है। मोदी का पारिवारिक मूल्य उस राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देता है, जहां परिवार का मतलब निजी सशक्तीकरण है। हरेक भारतीय को अपने परिवार में शामिल करके उन्होंने अपना परिवार बनाया है, जो इंडिया गठबंधन पर भारी पड़ता है, जो खुद अपनी घटती राष्ट्रीय साख से अवगत है। मोदी ने जो अनकहा छोड़ दिया, वह यह है = सत्ता लोकतंत्र से अर्जित लाभ नहीं है, बल्कि प्रत्येक भारतीय की साझा संपत्ति है।

आज लोकतंत्र में मोदी को जो सबसे लोकप्रिय राजनेता बनाता है, वह है सत्ता के साथ उनका रिश्ता। पांच साल पहले सत्ता ने उन्हें भारत का सबसे कर्तव्यनिष्ठ चौकीदार बना दिया था, जिसका यादातर भारतीयों ने अनुमोदन किया। आज वही भारत के लोग, संभवतः उससे भी अधिक स्वयं को मोदी का परिवार के रूप में पहचानते हैं। भारतीय बुजुर्ग (लालू) के पारिवारिक मूल्य इंडिया गठबंधन की वास्तविकता को तेजी से उजागर करते हैं, जो पारिवारिक बोझ के अलावा भी कई बोझों से दबा हुआ है।

राजनीतिः चुनावी मौसम में जरा देखिए बंगाल को ममता को नकदी बांटने वाली योजनाओं पर भरोसा

संदेशखाली मामले पर पूरे देश में शर्मसार बंगाल के चुनावी अखाड़े में आखिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एकला चलो रे का ही रास्ता अपनाया। ममता की प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षाएं जब-तब पोस्टरों में दिखती रही हैं और उनके उत्तराधिकारी अभिषेक तो आज भी जनसभाओं में 71 साल की बुआ को पीएम पद के लिए योग्य उम्मीदवार बता रहे हैं। दीदी ने गठबंधन के लिए कांग्रेस की करुण पुकार को अनसुना करते हुए अपने 42 प्रत्याशियों की घोषणा करवा दी। चलिए, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से गठबंधन की बात को अप्राकृतिक मान लेते हैं, पर उनका उदय तो कांग्रेस से ही हुआ है। तृणमूल को लगता है कि वह अकेले ही पीएम मोदी का अश्वमेध का घोड़ा बांध लेगी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस को 5.7 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि 2021 के चुनावों में उसे लगभग तीन प्रतिशत मत मिले। लोकसभा चुनाव में तृणमूल को 43.7 और भाजपा को 40.6 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस का पिछला वोट प्रतिशत भले ही मामूली हो, पर राज्य में लंबी उड़ान भरती दिख रही भाजपा को रोकने की कोशिश या प्रयोग वे कर सकती थीं। वामपंथी दल, खासकर सीपीएम का भी अब तक कांग्रेस से कोई चुनावी तालमेल नहीं हो पाया है। वहां भी यही सवाल बाधा बना हुआ है कि वाम वोट तो कांग्रेस को मिल जाते हैं, पर 35 साल तक विपक्ष में रहकर कामरेडों का चाबुक खाने वाले कांग्रेसी अपने घाव नहीं भुला पाते। हां, मुस्लिमों व दलितों में तेजी से जनाधार बढ़ा रहे इंडियन सेक्युलर फ्रंट और वाम दलों से तालमेल की बात चल रही है। ममता को सबसे ज्यादा भरोसा नकदी बांटने वाली सरकारी योजनाओं पर है। हालांकि संदेशखाली कांड के बाद महिलाओं ने मुखर होकर कहा कि अपनी इज्जत और स्वाभिमान के बदले उन्हें यह राशि नहीं चाहिए। बताया जाता है कि सागरदीघी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के जीतने के बाद क्षेत्र में लक्ष्मी भंडार सुविधा बंद कर दी गई थी और दोबारा यह सुविधा तब चालू हुई, जब वहां से जीते कांग्रेस प्रत्याशी बायरन विश्वास तृणमूल में लौटे। सीएए लागू होने के बाद और घायल होने से पहले ममता ने घुमा-फिराकर मंचों से ही ऐलान किया कि नागरिकता के लिए आवेदन करते ही वे अवैध नागरिक हो जाएंगे और राज्य सरकार की सारी सुविधाएं बंद हो जाएंगी।

इधर, भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में आने पर हर महिला को 3-3 हजार रुपये देने का वादा कर रहे हैं। ममता ने केंद्र की ओर से जनकल्याण की योजनाओं का धन रोक देने को चुनावी मुद्दा बनाया है। हालांकि भाजपा इन योजनाओं में भ्रष्टाचार के मामलों को उछाल रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी आरामबाग रैली में साफ कहा कि लूटने वालों को लौटाना ही पड़ेगा। भाजपा पूछ रही है कि बंगाल सरकार अदालत क्यों नहीं जाती? हम देख चुके हैं कि केंद्र से पावना के मामले पर केरल हाल ही में सुप्रीम कोर्ट गया और उसे इस मसले का हल मिला। ममता अपनी दूसरी ताकत बहुचर्चित धर्मनिरपेक्षता को मानती हैं। लेकिन बदले माहौल में यह ताकत कमजोरी के तौर पर देखी जा रही है। संदेशखाली मामले में ईडी टीम पर जानलेवा हमला करवाने वाले शेख शाहजहां को 55 दिन तक पकड़ा नहीं गया, उससे तुष्टीकरण की अवधारणा ही बलवती हुई। वैसे कुछ साल पहले ईद मिलन समारोह में सीएम ममता ने जब मंच से कह दिया कि दुधारू गाय की लात भी सही जाती है, तो इसमें छिपाने लायक कुछ रह नहीं जाता। इसके मुकाबले में राज्य की 70 फीसदी हिंदू आबादी के ध्रुवीकरण की भी संभावना बन सकती है। इस बीच, चुनावों की घोषणा के साथ ही राज्य में रक्तपात शुरू हो चुका है। इस माहौल में एक दिन देश ने यह भी देखा कि घर में गिरकर घायल होने के बाद एक सीएम के माथे से बहता खून सूख जाता है और उनकी पार्टी अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसी तस्वीर को सर्कुलेट करती है। ध्यान रहे कि वह तस्वीर अस्पताल की थी और सीएम को घर से एंबुलेंस में नहीं, भतीजे अभिषेक अपनी गाड़ी में लाए। सीएम के घर में थोड़ी-सी रूई, एक बैंडेज और चार बूंद डेटाल का न होना बंगाल की कैसी तस्वीर पेश करता है? मेडिकल बुलेटिन में पीछे से धक्का मारने की थ्योरी भी कम दर्दनाक नहीं है! सहानुभूति लहर की उम्मीद करने वालों के प्रति हमें सहानुभूति रखनी चाहिए।

शैतान के आगे नहीं चला सिद्धार्थ की योद्धा का जादू, अदा की बस्तर का हुआ हाल बेहाल

इन दिनों सिनेमाघरों में एक के बाद एक कई फिल्में रिलीज हो रही हैं। ये सभी फिल्में दर्शकों का दिल जीतने की पूरी कोशिश कर रही हैं। ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देने में लगी हुई है। हाल ही में सिनेमाघरों में योद्धा और बस्तर द नक्सल स्टोरी इन दो फिल्मों ने दस्तक दी है। वहीं, अजय देवगन-आर माधवन स्टारर शैतान और यामी गौतम की आर्टिकल 370 पहले से ही दर्शकों का मनोरंजन करा रही हैं। इन सभी फिल्मों को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। तो आइए जानते हैं सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों का क्या हाल रहा...

योद्धा बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा, राशि खन्ना और दिशा पाटनी स्टारर योद्धा ने 15 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक दी। सागर आंब्रे और पुष्कर ओझा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। घरेलू बॉक्स ऑफिस के टिकट विंडो पर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म ने 4.10 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। इसके बाद फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला। रविवार यानी तीसर दिन फिल्म ने सात करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं सोमवार को फिल्म की कमाई में गिरवाट देखने को मिला। योद्धा ने चौथे दिन 2.15 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे इसका कुल कलेक्शन 19.00 करोड़ रुपये हो गया है।

बस्तर द नक्सल स्टोरी सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी बहुचर्चित फिल्म बस्तर द नक्सल स्टोरी भी रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म ने योद्धा के साथ यानी 15 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक दी। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित इस फिल्म में अदा शर्मा और इंदिरा तिवारी मुख्य भूमिका में हैं। इस मूवी ने टिकट विंडो पर 40 लाख रुपये की ओपनिंग ली। बस्तर द नक्सल स्टोरी रविवार को 90 लाख का कारोबार किया। फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन 24 लाख रुपये की कमाई की। इसी के साथ कुल कारोबार 2.24 करोड़ रुपये ही हो पाया है।

शैतान अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'शैतान' की कहानी काले जादू के इर्द-गिर्द घूमती है। विकास बहल के निर्देशन में बनी इस फिल्म के कलेक्शन में लगातार उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 14.75 करोड़ रुपये से खाता खोला था। वहीं, फिल्म ने 11वें दिन 3 करोड़ रुपये की कमाई की। अब इसका कुल कलेक्शन 106.05 करोड़ रुपये है।

आर्टिकल 370 आदित्य सुहास जंभाले के निर्देशन में बनी आर्टिकल 370 ने बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा बिखेरा है। यामी गौतम अभिनीत यह फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आई है। फिल्म ने रविवार को 1.60 करोड़ की कमाई की है। फिल्म ने 25वें दिन 40 लाख रुपये की कमाई की, अब इसका टोटल 72.80 करोड़ रुपये है।

एल्विश यादव की गिरफ्तारी पर बेसुध हुईं मां सोशल मीडिया पर वायरल दिल तोड़ने वाला वीडियो

बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता और मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। रेव पार्टी में सांपों के जहर सप्लाई करने के मामले में एल्विश यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वहीं, बीते दिन खबर आई कि एल्विश यादव ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। जहां एल्विश यादव बिल्कुल बेफिक्र नजर आ रहे हैं, तो वहीं उनकी गिरफ्तारी पर मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

एल्विश की मां का रो-रोकर बुरा हाल सोशल मीडिया पर द खबरी की एक नवीनतम पोस्ट में एल्विश यादव की मां को बिलख-बिलखकर रोते देखा जा रहा है। एल्विश की गिरफ्तारी से न सिर्फ उनकी मां बल्कि पूरा यूट्यूब समुदाय सदमे में है। एल्विश यादव की गिरफ्तारी के बारे में पूछे जाने पर, मुनव्वर फारुकी ने कहा कि उन्हें गिरफ्तारी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी क्योंकि उनका फोन बंद था। उन्होंने कहा कि उनके फोन की बैटरी पूरी तरह खत्म हो गई थी और उन्हें नहीं पता कि यह सब कैसे हुआ।

एल्विश यादव की लोकप्रियता जानकारी हो कि एल्विश यादव और मुनव्वर फारुकी दोनों को हाल ही में आयोजित आईएसपीएल (इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग) मैच में क्रिकेट खेलते और बॉन्डिंग करते देखा गया था। एल्विश यादव की बात करें तो उन्हें सबसे यादा लोकप्रियता रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 2 से मिली। शो में एल्विश ने वाइल्ड कार्ड एंट्री ली थी, बावजूद इसके वह ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल रहे थे। शो में अपने अंदाज से एल्विश ने हर किसी का दिल जीत लिया था।

एल्विश यादव पर आरोप जानकारी हो कि रेव पार्टी में सांपों के जहर सप्लाई करने के मामले में बिग बॉस विजेता और मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। नोएडा पुलिस की टीम ने रविवार को एल्विश यादव को पूछताछ करने के लिए बुलाया था। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। नोएडा पुलिस की टीम उसे कोर्ट में पेश करने के लिए सूरजपुर कोर्ट में पेश किया, जहां सुनवाई के बाद एल्विश यादव ग्रेटर नोएडा कारागार में भेज दिया गया। एल्विश यादव समेत छह लोगों के खिलाफ कोतवाली सेक्टर-49 में पीपुल्स फॉर एनिमल संस्थान ने सांपों के जहर सप्लाई करने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया था।

अदृश्यमका दमदार ट्रेलर जारी, एजाज खान-दिव्यांका त्रिपाठी की सीरीज की रिलीज डेट से भी उठा पर्दा

अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी दहिया और अभिनेता एजाज खान की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज अदृश्यमका फैंस को बेसब्री से इंतजार है। सीरीज के निर्माताओं ने सोमवार, 19 मार्च को इसका दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म सोनी लिव इंस्टाग्राम हैंडल पर सीरीज का ट्रेलर वीडियो साझा किया, जिसे देख फैंस उत्साहित हो गए। इसके साथ ही निर्माताओं ने सीरीज की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है।

सीरीज का ट्रेलर ट्रेलर साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, अनदेखे नायक, गुमनाम लड़ाइयां, हमारे देश को सुरक्षित रखने वाले अभिभावक रवि वर्मा से मिलें। अदृश्यम- द इनविजिबल हीरोज निर्माताओं का कहना है कि यह शो दर्शकों को एक जासूस के जीवन और चुनौतियों की यात्रा पर ले जाएगा, जो जासूसी थ्रिलर जॉनर को एक नई सोच और नया नजरिया देगा।

इस दिन स्ट्रीम होगी सीरीज सीरीज में दिव्यांका और एजाज उन नागरिकों की भूमिका निभाते हैं, जिनकी गुप्त पहचान होती है। सस्पेंस से भरपूर यह सीरीज अप्रैल में डिजिटल रूप से रिलीज होने के लिए तैयार है। यह सीरीज 11 अप्रैल से सोनी लिव पर रिलीज होगी। सीरीज में दिव्यांका ने इंस्पेक्टर पार्वती सहगल का किरदार निभाया है। एजाज खान ने रवि वर्मा की भूमिका निभाई है।

एजाज ने जताया उत्साह अभिनेता एजाज खान ने सीरीज में अपने किरदार को लेकर उत्साह भी जाहिर किया। एजाज ने अपने रोल को लेकर कहा, अदृश्यम मेरे लिए एक ऐसा किरदार निभाने का बहुत ही रोमांचक अवसर लेकर आया है, जिसका अपने देश के लिए प्यार हर चीज से ऊपर है। रवि वर्मा अपने देश की रक्षा के लिए ताकत, दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं और उन अनदेखे नायकों की कहानी पेश करते हैं जो हफ्ते के सातों दिन 24 घंटे लोगों के लिए काम करते हैं।

सेंसर के खिलाफ केस हारी रति पांडे की फिल्म रंग दे बसंती, निर्माता को करोड़ों का नुकसान

रति पांडे की आगामी भोजपुरी फिल्म रंग दे बसंती अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इसका शीर्षक आमिर खान की साल 2006 की हिट फिल्म से लिया गया है। इसी को लेकर सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने मांग की थी कि भोजपुरी फिल्म के निर्माता फिल्म का शीर्षक बदलें। 18 मार्च 2024 को सेंसर बोर्ड और मेकर्स के बीच मामले की सुनवाई बॉम्बे हाई कोर्ट में हुई, जिसके बाद निर्माता रोशन सिंह अदालत के फैसले से बेहद दुखी नजर आए।

बॉम्बे हाई कोर्ट में हुई सुनवाई कुछ दिन पहले सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने भोजपुरी फिल्म रंग दे बसंती के निर्माताओं से फिल्म का शीर्षक बदलने की मांग की थी। रति पांडे अभिनीत भोजपुरी फिल्म 22 मार्च, 2024 को रिलीज होने वाली थी। निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक बदलने की सेंसर बोर्ड की मांग के आगे झुकने से इनकार कर दिया था। बाद में सीबीएफसी ने कुछ कट लगाए। 18 मार्च 2024 को सेंसर बोर्ड और मेकर्स के बीच प्रस्तावित कट्स को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई।

कोर्ट की फिल्म निर्माता को फटकार जानकारी के अनुसार, फिल्म निर्माता के साथ-साथ सेंसर बोर्ड ने भी कोर्ट के सामने अपनी दलील रखी। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना और फैसला लिया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि मेकर्स रिवाइजिंग कमेटी को छोड़ कर सीधे उनके पास आ गए, जो सही प्रक्रिया नहीं है। निर्माताओं ने खुद को सही ठहराने की कोशिश की, उन्होंने कहा, सेंसर बोर्ड के कारण हमें पहले ही देर हो चुकी थी। हमारे पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि फिल्म की रिलीज की तारीख 22 मार्च, 2024 थी, और जब तक, संशोधित समिति इसे देखती, हमें इसमें और देरी हो सकती थी। इसलिए, हमने सीधे अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

शीर्षक समेत रिलीज डेट में भी होगा बदलाव दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला लिया और अब आदेश दिया है कि रिवाइजिंग कमेटी को काम में आना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, रिवाइजिंग कमेटी को 10 दिनों में अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निर्माता रोशन सिंह ने विकास की पुष्टि की और कहा, मैंने शुक्रवार, 22 मार्च के लिए थिएटर बुक किए थे, लेकिन अब मुझे बुकिंग रद्द करनी होगी। रोशन ने आगे अपनी चिंता साझा करते हुए कहा, समस्या यह है कि अब, मुझे जल्द ही रिलीज की तारीख नहीं दिख रही है। चुनाव नजदीक हैं, ईद भी है। मुझे लगता है कि मेरी फिल्म अब जल्द ही रिलीज नहीं होगी। जल्द से जल्द रिलीज की तारीख जून 2024 में होगी। अब इस देरी से मुझे लगभग 8 करोड़ रुपये का नुकसान होगा।

अभिषेक बचन के साथ अपनी फिल्म पर शूजीत का बड़ा खुलासा, कहा- दोस्त के जीवन से प्रेरित है कहानी

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बचन ने अपनी अगली फिल्म के लिए फिल्ममेकर शूजित सरकार के साथ मिलाया है। विक्की डोनर, पीकू और सरदार उधम जैसी शानदार फिल्मों का निर्माण कर चुके शूजित अपनी अगली फिल्म के निर्देशन के लिए तैयार हैं। इस फिल्म के टाइटल का अभी खुलासा नहीं किया गया है। हाल ही में फिल्म के निर्दशक ने जानकारी दी कि फिल्म का एक बड़ा हिस्सा पहले ही शूट किया जा चुका है। निर्देशक शूजित सरकार ने हाल ही में अभिषेक बचन के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट के बारे में कहा कि यह फिल्म एक साधारण आदमी और उसके असाधारण जीवन की कहानी बताएगी। फिलहाल उन्होंने फिल्म से जुड़ी अधिक जानकारी नहीं दी है। उन्होंने इसे लेकर कहा, ऐसा कोई रहस्य नहीं है, लेकिन हम लंबे समय के बाद शूटिंग कर रहे हैं। आखिरी बार जब हमने शूटिंग की थी, तो वह 2019 में की थी। कोरोना महामारी आने से पहले विचार यह था कि फिल्म की शूटिंग की जाए और समय आने पर इसकी घोषणा की जाए। उन्होंने आगे बताया कि इसके बाद उन्होंने सोचा कि फिल्म को धीमी गति के साथ ही आगे बढ़ाएंगे। वहीं, जब उनसे फिल्म के बाकी कलाकारों और कहानी के बारे में पूछा गया, तो शूजित ने कहा, इसमें अभिषेक बचन हैं। अन्य किरदार भी हैं, लेकिन यह मुख्य रूप से अभिषेक बचन की फिल्म है। समस्या यह है कि जैसे ही आप किसी फिल्म की घोषणा करते हैं। तो लोग पूछेंगे कि अच्छा कहानी क्या है बताओ। अगर मैं उन्हें कहानी बताऊंगा तो फिल्म कौन देखेगा? इसके साथ उन्होंने जानकारी दी कि फिल्म का एक बड़ा हिस्सा पहले ही शूट किया जा चुका है। शूजीत सरकार का कहना है कि यह बिना टाइटल की फिल्म उनके दोस्त के जीवन से प्रेरित है। उन्होंने कहा, मैं सामान्य, सरल, रोजमर्रा की जिंदगी और लोगों से प्रभावित हूं। मैं उनपर बारीकी से ध्यान देता हूं। फिर उनसे वह क्षण चुनता हूं, ताकि उस पर फिल्म बना सकूं। निर्देशक ने पहले एक बातचीत में बताया कि ये एक इमोशनल फिल्म है। उन्होंने कहा कि उनकी फिल्मों की कहानियां हमेशा जीवन से जुड़ी होती हैं। साथ ही उनमें ह्यूमर भी होता है। दर्शकों को शूजित की फिल्मों को हमेशा इंतजार रहता है।

फरहान अतर से मिलीं प्रियंका चोपड़ा ट्रैक पर लौटी जी ले जरा?

फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। बीते दिनों खबर आई कि प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट अभिनीत यह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई है। हालांकि, सोमवार को देसी गर्ल को निर्माता-अभिनेता फरहान अख्तर के घर पहुंचते देखा गया, जिसके बाद जी ले जरा के ट्रैक पर वापस आने की अटकलें वापस से शुरू हो गईं।

कुछ दिन पहले प्रियंका चोपड़ा अपनी बेटी मालती मैरी के साथ मुंबई पहुंचीं। कल ही की बात है जब उनके पति निक जोनस भी परिवार के साथ समय बिताने के लिए भारत में उनके साथ शामिल हुए। अब इस पावर कपल को सोमवार रात फिल्म निर्माता-अभिनेता फरहान अख्तर के घर पर देखा गया, जिसके बाद फैंस जी ले जरा के पटरी पर लौटने की उम्मीद जता रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा जैसे ही पति निक जोनस के साथ फरहान अख्तर के घर पहुंचीं तो पैपराजी के बीच हलचल मच गई। इसकी कई तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। प्रियंका एक चमकीले नीले रंग की सैटिन ड्रेस पहने और बालों का बन बनाए नजर आ रही हैं। वह मिनिमल मेकअप में भी बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वहीं निक ने ब्लैक टी-शर्ट और लाल टोपी में अपने लुक को कैजुअल रखा।

प्रियंका चोपड़ा, फरहान अख्तर के घर पहुंचीं जहां निर्माता रितेश सिधवानी भी नजर आए। फैंस को आश्चर्य होने लगा कि क्या वह फिल्म पर चर्चा करने के लिए निर्माताओं से मिलीं। एक फैन ने वीडियो पर टिप्पणी की, क्या हम जी ले जरा की प्रगति की उम्मीद कर रहे हैं? जबकि एक अन्य ने लिखा, जी ले जरा के लिए मीटिंग थी। मुझे उम्मीद है कि वे इसे जल्द ही शुरू करेंगे।

साल 2021 में, फरहान अख्तर ने प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट अभिनीत जी ले जरा की घोषणा की। हालांकि, तब से इस प्रोजेक्ट के बारे में कोई अपडेट नहीं आया है। परियोजना के बंद होने की कई रिपोर्टों के बाद, जोया अख्तर ने पुष्टि की कि यह परियोजना अभी भी जारी है। वहीं फरहान ने एक इंटरव्यू में बताया, हमारे पास सिर्फ तारीखों को लेकर समस्या है और अभिनेता की हड़ताल ने प्रियंका की तारीखों को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया है। मैंने अब फिल्म को नियति पर छोड़ दिया है। जब होना होगा तब होगा, हम देखेंगे।

यौन उत्पीड़न के दोषी पाए गए स्क्विड गेम के अभिनेता ओ येओंग-सु, हुई आठ महीने की जेल

साल 2021 में रिलीज हुई कोरियन वेब सीरीज स्क्विड गेम ने दुनियाभर के लोगों का दिल जीता था। इसके हर एक किरदार ने भी खूब लाइमलाइट बटोरी थी। इस मेगा-हिट नेटफ्लिक्स डायस्टोपियन थ्रिलर में प्लेयर नंबर 1 की भूमिका 79 वर्षीय अभिनेता ओ येओंग-सु ने निभाई थी। हालांकि, अब इस चर्चित अभिनेता के फैंस के लिए बुरी खबर सामने आई है। स्क्विड गेम में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का गोल्डन ग्लोब पुरस्कार जीतने वाले ओ येओंग-सु को यौन दुराचार का दोषी पाया गया है। साथ ही उन्हें आठ महीने की जेल की सजा सुनाई गई है।

यौन दुराचार के दोषी पाए गए ओ येओंग-सु

जानकारी के अनुसार, साल 2017 में एक महिला ने अभिनेता पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसी को लेकर सुवॉन जिला न्यायालय की सेओंगनाम शाखा ने एएफपी को बताया कि अभिनेता को आठ महीने जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही उन्हें दो साल के लिए निलंबित कर दिया गया।

2022 में ठहराए गए थे दोषी

अदालत ने कहा कि उन्हें यौन हिंसा पर 40 घंटे की कक्षाएं पूरी करने का भी आदेश दिया गया है। अदालत के अनुसार, न्यायाधीश जियोंग येओन-जू ने कहा, पीड़िता के हमले के अपने रिकॉर्ड और उसके दावे सही हैं। ओ येओंग-सु को 2022 में एक महिला के साथ दो मौकों पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में बिना हिरासत में लिए दोषी ठहराया गया था। वहीं महिला की पहचान अब तक नहीं की गई है।

2017 में दिया था वारदात को अंजाम

सुवॉन जिला न्यायालय के अनुसार, घटनाएं तब हुईं जब ओ 2017 में एक थिएटर प्रदर्शन के लिए एक ग्रामीण इलाके में, पैदल रास्ते पर और पीड़ित के निवास के सामने रह रहे थे। स्क्विड गेम की बात करें तो यह सीरीज एक अंधेरी दुनिया को दर्शाती है

स्थानीय बिक्री कर या मूल्य वर्धित कर की दरों में अंतर की वजह से पेट्रोल-डीजल हैं महंगे

आंध्र प्रदेश और केरल में सबसे महंगा है पेट्रोल

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने पिछले सप्ताह ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। इससे पहले करीब दो साल से वाहन ईंधन कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। इस कटौती से लोगों को कुछ राहत मिली है, लेकिन वैट की ऊंची दरों की वजह से कई राज्यों में अब भी वाहन ईंधन 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक है। देश में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल में पेट्रोल-डीजल सबसे महंगा है। वहीं जिन राज्यों में पेट्रोल डीजल की कीमतें सबसे कम हैं, उनमें अंडमान निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली और पूर्वोत्तर के राज्य शामिल हैं। तेल कंपनियों के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। स्थानीय बिक्री कर या मूल्य वर्धित कर (वैट) की दरों में अंतर की वजह से विभिन्न राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अंतर है। आंध्र प्रदेश और केरल में सबसे महंगा है पेट्रोल- वाई एस जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी सरकार के शासन वाले आंध्र प्रदेश में पेट्रोल सबसे महंगा 109.87 रुपये प्रति लीटर है। इसके बाद लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) शासित केरल का नंबर आता है। वहां एक लीटर पेट्रोल 107.54 रुपये में बिक रहा है। कांग्रेस शासित तेलंगाना में पेट्रोल की कीमत 107.39 रुपये प्रति लीटर है। डीजल कीमतों की बात की जाए, तो आंध्र प्रदेश के अमरावती में यह ईंधन 97.6 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके बाद केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में यह 96.41 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में 95.63 रुपये और रायपुर में 93.31 रुपये प्रति लीटर है।

भाजपा शासित राज्यों में ऐसी है स्थिति- बीजेपी शासित राज्य भी पीछे नहीं हैं, भोपाल में पेट्रोल की कीमत 106.45 रुपये प्रति लीटर, पटना में 105.16 रुपये (यहां भाजपा जदयू सरकार के साथ गठबंधन में है), जयपुर में 104.86 रुपये और मुंबई में 104.19 रुपये प्रति लीटर है। ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासित पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये प्रति लीटर है। आंकड़ों के अनुसार, जिन अन्य राज्यों में पेट्रोल का दाम 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक है उनमें ओडिशा (भुवनेश्वर में 101.04 रुपये प्रति लीटर), तमिलनाडु (चेन्नई में 100.73 रुपये) और छत्तीसगढ़ (रायपुर में 100.37 रुपये) शामिल हैं। भाजपा शासित महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और बिहार में डीजल का दाम 92 से 93 रुपये प्रति लीटर है। ओडिशा और झारखंड में भी डीजल का दाम इतना ही है।

इन राज्यों में है सबसे सस्ता पेट्रोल-डीजल- अंडमान और निकोबार द्वीप में पेट्रोल सबसे सस्ता है जहां यह 82 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके बाद सिलवासा और दमन है जहां यह 92.38-92.49 रुपये प्रति लीटर है। अन्य छोटे राज्यों में भी पेट्रोल सस्ता है। इनमें दिल्ली (94.76 रुपये प्रति लीटर), पणजी (95.19 रुपये), आइजोल (93.68 रुपये) और गुवाहाटी (96.12 रुपये) शामिल हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप में डीजल सबसे सस्ता है जहां यह लगभग 78 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। महानगरों में दिल्ली में वैट सबसे कम है। दिल्ली में डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर है, जबकि गोवा में इसकी कीमत 87.76 रुपये प्रति लीटर है। ईंधन कीमतों में कटौती पर गोल्डमैन सैक्श ने कहा कि तीनों पेट्रोलियम कंपनियों विपणन कंपनियों का शुद्ध विपणन मार्जिन 1.7-2.7 रुपये प्रति लीटर से घटकर 80-90 पैसे प्रति लीटर रह जाएगा।

मिड और स्मॉलकैप में एसआईपी बेहतर तरीका, सस्ते भाव में मिल सकते हैं म्यूचुअल फंड यूनिट

मिड और स्मॉलकैप में एकमुश्त निवेश हो सकता है जोखिमभरा

नई दिल्ली। विश्लेषकों का कहना है कि मिड और स्मॉलकैप शेयरों का मूल्यांकन अभी बहुत ज्यादा है। पिछले कुछ वर्षों में इन दोनों में जमकर निवेश आया है। हालांकि, इन्होंने रिटर्न भी बहुत ज्यादा दिया है। ऐसे में पिछले रिटर्न को देखकर अगर कोई निवेश करता है तो यह जोखिम हो सकता है। निवेशकों को जोखिम से बचाने के लिए ही सेबी ने हाल में फैसला लिया है। जानकारों का कहना है कि अगर मिड और स्मॉलकैप में निवेश करना है तो आप एकमुश्त निवेश बिलकुल मत करिये। लंबे समय के लिए आप एसआईपी कर सकते हैं। इस समय मूल्यांकन गिरा है, ऐसे में सस्ते भाव में आपको म्यूचुअल फंड यूनिट मिल जाएंगे। ध्यान रखें, निवेश कम से कम पांच साल के लिए हो। सेबी दरअसल निवेशकों की सुरक्षा करना चाहता है। इसलिए उसने 27 फरवरी को फंड हाउसों को पत्र लिखा। इसमें मिड कैप और स्मॉल कैप पर चिंता जताया। इसने कहा, निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए फंड हाउस नीति तैयार करें। फंड हाउसों को भी यह बात पता थी कि मूल्यांकन ज्यादा है। सेबी ने स्ट्रेस टेस्ट का परिणाम 15 मार्च तक वेबसाइट पर डालने को कहा। हालांकि, पहले भी फंड हाउस अपने स्तर पर यह काम करते थे, पर यह कभी सार्वजनिक नहीं हुआ। इस बार फंड हाउसों को जब इसे सार्वजनिक करना पड़ा तो बाजार में हाहाकार मच गया।

स्ट्रेस टेस्ट क्या है और कैसे काम करता है: स्ट्रेस टेस्ट का मतलब है कि अगर कभी अचानक मिड और स्मॉलकैप में भारी निकासी आ जाए तो उससे कैसे निपटा जा सकता है। ज्यादा निकासी पर कितने दिन में इसे पूरा किया जा सकता है। स्टॉक में तरलता कितने दिनों की है। दरअसल, जो भारी निवेश इन दोनों सेगमेंट में आया है और रिटर्न चौंकाने वाला है, उसे देखकर नए निवेशक आ रहे हैं। जबकि इन दोनों सेगमेंट में बहुत ज्यादा तरलता नहीं होती है। ऐसे में फंड हाउस निवेशकों की ओर से आ रहे पैसों को कहां लगाएंगे, यह भी सुनिश्चित करना होगा।

फरवरी में फंड हाउसों ने बेचे स्मॉलकैप: ज्यादातर फंड हाउसों ने फरवरी में स्मॉलकैप शेयर बेचे हैं।?कुछ ने मिडकैप में खरीदी की है। फंड हाउसों ने हाल में ज्यादातर निवेश इन्हीं दोनों सेगमेंट में किया है। ज्यादा खरीदारी से इन शेयरों ने 70-80 फीसदी तक रिटर्न दिया है। इसी रिटर्न को देखकर खुदरा निवेशक लगातार पैसे लगा रहे थे। ऐसे में इन शेयरों में कभी भी भारी निकासी होने की आशंका है। बाजार विशेषज्ञ अनुराग शाह के मुताबिक मिड व स्मॉलकैप शेयरों में उठापटक को देखते हुए संभलकर निवेश करें। अभी मूल्यांकन काफी ऊंचा है, जब तक इनमें गिरावट न आए, लंबे समय के लिए एसआईपी निवेश का रास्ता अपना सकते हैं।

अप्रैल-दिसंबर, 2023 में 3.53 अरब डॉलर का व्यापार

भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 254% बढ़ा

नई दिल्ली। भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने यानी अप्रैल-दिसंबर अवधि में 253.70 फीसदी बढ़कर 3.53 अरब डॉलर पहुंच गया। भारत इसके साथ ही चीन और वियतनाम के बाद अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्यातक बन गया है। हालांकि, इस दौरान चीन और वियतनाम से निर्यात में गिरावट आई है। भारत 2022-23 की समान अवधि में भारत ने अमेरिका को सिर्फ 99.8 करोड़ डॉलर के स्मार्टफोन बेचे थे।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान स्मार्टफोन निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 7.76 फीसदी पर पहुंच गई। 2022-23 की समान अवधि में यह दो फीसदी थी। आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान चीन का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात 38.26 अरब डॉलर से घटकर 35.1 अरब डॉलर रह गया। वियतनाम से निर्यात भी 9.36 अरब डॉलर से गिरकर 5.47 अरब डॉलर रह गया।

विनिर्माण और पीएलआई ने बढ़ाई रफ्तार एक अधिकारी ने बताया कि भारत स्मार्टफोन के लिए एक प्रमुख उत्पादन केंद्र के रूप में उभर रहा है। स्मार्टफोन विनिर्माण में वृद्धि से निर्यात में इजाफा हुआ है। इसके अलावा, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की घोषणा और अमेरिकी कंपनी एपल के भारत में आईफोन विनिर्माण शुरू करने से भी निर्यात बढ़ाने में मदद मिली है।

शीर्ष-5 आपूर्तिकताओं के निर्यात में गिरावट चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में शीर्ष-5 आपूर्तिकताओं से अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात घटकर 45.1 अरब डॉलर रह गया। 2022-23 की समान अवधि में इन देशों ने अमेरिका को 49.1 अरब डॉलर का स्मार्टफोन निर्यात किया था। शीर्ष-5 आपूर्तिकताओं में भारत, चीन, वियतनाम, दक्षिण कोरिया और हांगकांग शामिल हैं। दक्षिण कोरिया से अमेरिका को निर्यात 85.8 करोड़ डॉलर से घटकर 43.2 करोड़ डॉलर रह गया। हांगकांग से निर्यात 13.2 करोड़ से कम होकर 11.2 करोड़ डॉलर पर आ गया।

कुल निर्यात बढ़कर 10.5 अरब डॉलर भारत ने स्मार्टफोन निर्यात के मोर्चे पर 2022-23 में दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जब देश से निर्यात इस अवधि में बढ़कर 10.95 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आगे भी यह रफ्तार कायम रखी और भारत ने 2023-24 की अप्रैल-दिसंबर अवधि में दुनिया को 10.5 अरब डॉलर के स्मार्टफोन बेच दिए।

महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी इन्वेस्टमेंट कर रही कंपनी

650 करोड़ खर्च कर मदर डेयरी बनाएगी दो नए प्रोसेसिंग प्लांट

नई दिल्ली। दिल्ली और नेशनल कैपिटल रीजन (ठउफ) में प्रमुख दूध सप्लायर मदर डेयरी दो और नए प्लांट्स बनाने के लिए करीब 650 करोड़ रुपए इन्वेस्ट करने जा रही है। नए प्लांट में कंपनी दूध और फलों को प्रोसेस करेगी। कंपनी इससे बढ़ती मार्केट डिमांड को पूरा करेगी। इसके अलावा मदर डेयरी अपनी मौजूदा प्लांट की कैपेसिटी बढ़ाने के लिए 100 करोड़ और इन्वेस्ट करेगी। न्यूज एजेंसी ढळक ने इस बात की जानकारी दी है। मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष बंदलिश ने कहा, ह्यहम अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और कस्टमर्स तक पहुंच बढ़ाने के लिए अपने प्रमुख जगहों पर अपनी डेयरी और (फल-सब्जियां) प्रोसेसिंग कैपेसिटीज के विस्तार के लिए 750 करोड़ रुपए खर्च करने वाले हैं।

नागपुर में 525 करोड़ की लागत से डेयरी प्लांट बना रही कंपनी- मनीष ने बताया कि कंपनी लगभग 525 करोड़ के इन्वेस्टमेंट से महाराष्ट्र के नागपुर में एक बड़ा डेयरी प्लांट लगा रही है। इस प्लांट में रोजाना 6 लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग होगी, जिसे बाद में बढ़ाकर 10 लाख लीटर किया जाएगा। यह प्लांट देश के साउदर्न रीजन में सर्विस प्रोवाइड। कंपनी अपने ब्रांड को कर्नाटक में भी बढ़ा रही है। स्टेट में मदर डेयरी एक नया फ्रूट प्रोसेसिंग प्लांट शुरू करने की भी प्लानिंग कर रही है। कंपनी इसमें 125 करोड़ खर्च करेगी। नागपुर और कर्नाटक के ये दोनों प्लांट अगले 2 साल में पूरा हो जाएंगे।

मदर डेयरी के पास फिलहाल 9 प्रोसेसिंग प्लांट्स- मदर डेयरी के पास फिलहाल 9 प्रोसेसिंग प्लांट्स हैं। जिसकी डेली कैपेसिटी 50 लाख लीटर से ज्यादा है। कंपनी थर्ड-पार्टी प्लांट्स में भी प्रोसेसिंग करती है। हॉर्टिकल्चर सेगमेंट में कंपनी के अपने 4 प्लांट्स हैं। वहीं 15 सब्सिडियरी प्लांट में कंपनी एडिबल ऑयलका मैन्यूफैक्चरिंग करती है।

2022-23 में कंपनी का टर्नओवर 4,500 करोड़ रुपए- वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का टर्नओवर 4,500 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी के मुताबिक, मौजूद वित्त वर्ष (2023-24) में कंपनी का ओवरऑल ग्रोथ 7त्न से 8त्न रहने की उम्मीद है। मदर डेयरी की स्थापना 1974 में ह्यऑपरेशन फ्लडह्ल इनिशिएटिव के तहत हुई थी। यह दुनिया का सबसे बड़ा डेयरी डेवलपमेंट प्रोग्राम था। कंपनी फिलहाल नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (ठऊऊइ) की फुली ओन्ड सब्सिडियरी कंपनी है।

सेंसेक्स 50 अंक चढ़कर फिसला, निफ्टी सपाट

नई दिल्ली। इस सप्ताह होने वाले प्रमुख केंद्रीय बैंक के नीतिगत फैसलों से पहले, भारतीय इक्विटी सूचकांक सोमवार को सपाट खुले। इस दौरान एमएंडएम, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस के शेयरों में लाभ जबकि आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में नुकसान दिखा। सुबह करीब 9.22 बजे बीएसई सेंसेक्स 48 अंक या 0.07त्न बढ़कर 72,798 पर कारोबार करता दिखा। वहीं, निफ्टी 9 अंक या 0.04त्न की गिरावट के साथ 22,015 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले इंडिया के शेयर गिरावट के साथ खुले, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में बढ़त दिखी।

खेल

पूर्व क्रिकेट कप्तान को टीम में नहीं लिए जाने की खबर को कीर्ति आजाद ने बताया गलत

टी-20 वर्ल्ड कप में हर हाल में चाहिए कोहली

नई दिल्ली। विराट कोहली को टी-20 वर्ल्ड कप टीम में न लिए जाने की खबर तेजी से फैली, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने इस खबर को गलत बताया है। 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाले खिलाड़ी का कहना है कि टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह को बताया है कि टीम को हर हाल में कोहली की जरूरत है। विराट कोहली को न लेने की खबर इसलिए आई, क्योंकि सूत्रों के मुताबिक, बीसीसीआई सिलेक्टर्स को लगता है कि कोहली टी-20 फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। आईपीएल खत्म होने के बाद ही दो जून से 29 जून तक अमरीका और वेस्टइंडीज में टी-20 वर्ल्ड कप होगा। 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से भारत कोई भी आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत पाया है। विराट कोहली करीब दो महीने से क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। बेटे की जन्म की वजह से वह लंदन में थे। आईपीएल शुरू होने से पहले विराट कोहली भारत लौट चुके हैं।

जय शाह चयनकर्ता नहीं हैं- कोहली को वर्ल्ड कप टीम में न लिए जाने की खबरों को गलत बताते हुए कीर्ति आजाद ने कहा कि बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा कि मूर्खों को सिलेक्शन प्रक्रिया में नहीं घुसना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जय शाह चयनकर्ता नहीं हैं, उन्हें अजीत अगरकर को जिम्मेदारी क्यों देनी चाहिए कि वे अन्य चयनकर्ताओं से बात करें और उन्हें समझाएं कि विराट कोहली को टी-20 टीम में जगह नहीं मिल रही है। इसके लिए 15 मार्च तक का समय दिया गया था। सूत्रों की मानें तो अजीत अगरकर न तो खुद को और न ही दूसरे चयनकर्ताओं को मना पाए। जय शाह ने रोहित शर्मा से भी पूछा, लेकिन रोहित ने कहा कि हमें किसी भी कीमत पर विराट कोहली चाहिए। विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप खेलेंगे और इसकी आधिकारिक घोषणा टीम चयन से पहले की जाएगी।

पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय हॉकी टीम में बदलाव, दिग्गज को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम फिलहाल भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग ले रही है। वान डी पोल शिविर से जुड़कर तीनों गोलकीपर पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक और सूरज करकेरा के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें आगामी प्रतियोगिता के लिए तैयार करेंगे।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की देखरेख में 10 दिवसीय विशेष गोलकीपिंग शिविर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम के रवाना होने से एक सप्ताह पहले 26 मार्च को समाप्त होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण चरण है। ओलंपिक में फिर से पोडियम पर पहुंचने की उनकी कवायद में हॉकी इंडिया सुनिश्चित कर रहा है कि उन्हें सभी तरह की आवश्यक सुविधाएं मिलें।

डेनिस की वापसी पर क्या बोले टिर्की- वान डी पोल ने पिछले साल एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम के लिए जुलाई और सितंबर में दो विशेष शिविर आयोजित किए थे। टिर्की ने आगे कहा, हमें डेनिस को टीम से जोड़कर खुशी हो रही है जो लगभग चार वर्षों से गोलकीपरों के इस समूह के साथ काम कर रहे हैं तथा जानते हैं कि उन्हें बेहतर बनाने के लिए किस तरह के बदलाव करने की जरूरत है ।

विश्व कप और ओलंपिक चयन ट्रॉयल में शीर्ष पर रहीं तीरंदाज दीपिका

सोनीपत। दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी ने रविवार को यहां आगामी विश्वकप और पेरिस ओलंपिक के लिए हुए चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया। तीन बार की ओलंपियन दीपिका ने फरवरी में बगदाद एशिया कप में दो स्वर्ण पदक जीतकर वापसी की। वह दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद पिछले साल पूरे सत्र में खेल से बाहर रही थीं। दीपिका ने भजन कौर अंकिता भक्त और कोमालिका बारी के साथ चार सदस्यीय टीम में जगह बनाई। विश्व यूथ की पूर्व चैंपियन बारी सिमरनजीत की जगह शामिल हुईं। भारत को अभी महिला वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करना है। अंताल्या में 18 से 23 जून तक होने वाला विश्वकप ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालिफाइंग स्पर्धा है। भारत के लिए अब तक एकमात्र पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले धीरज बोम्मदेवरा पुरुष रिकर्व वर्ग में शीर्ष पर रहे। तरुणदीप राय, प्रवीण जाधव और मृणाल चौहान पुरुष रिकर्व टीम के अन्य सदस्य हैं। राष्ट्रीय हाई परफोरमेंस निदेशक संजीव सिंह ने कहा, ह्यहम टीम अस्थायी है (ओलंपिक के लिए) और हम विश्वकप के पहले दो चरणों में उनके प्रदर्शन के आधार पर एक या दो बदलाव कर सकते हैं।

खरगोन के भीकनगाँव में शराब दुकान के बाहर खुलेआम छलक रहे जाम

गाँव गाँव परोसी जा रही शराब, खुल के उड़ रही पुलिस व अबाकारी के नियमो की धज्जियां

पियूष अग्रवाल। सिटी चीफ
खरगोन, भीकनगांव मध्यप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देष पर 1 अप्रेल 2023 से ही मध्यप्रदेश के अहाते बन्द कर दी गई लेकिन भीकनगांव शहर में स्थित शराब दुकान पर ठेकेदार द्वारा खुल कर आबकारी व पुलिस प्रशासन के नियम की धज्जियां उड़ा रहे है प्रदेश में शराब दुकान के पास चलने वाले आहाते बंद हो गए, लेकिन पीने वालों की भीड़ कम नहीं हुई। सुबह हो दोहर या शाम शराब की दुकान के आसपास खुले में ही जाम छलकने लगते हैं। शराब की दुकान के बाहर शाम ढलते ही भीड़ जमा हो जाती है। देशी-विदेशी शराब के शौकीन दुकान के आसपास ही ठेलों से पीने की सामग्री लेकर खड़े नजर आते हैं

स्थानीय आबकारी और पुलिस की नजर नहीं या मिलीभगत- ऐसा नहीं है कि खुले में दुकान के सामने छलक रहे जाम पर आबकारी और पुलिस की नजर नहीं है। शराब दुकानों के सामने से पुलिस और आबकारी अधिकारी भी गुजरते है, लेकिन कभी भी उन तक नजर नहीं पड़ी अब देखना यह होगा कि भीकनगांव का स्थानीय

पुलिस प्रशासन व स्थानीय अबाकारी विभाग दुकान संचालक ठेकेदार पर क्या कार्यवाही करते है क्योंकि नियम अनुसार शराब दुकान में सिर्फ शराब बेची जा सकती है भीकनगांव शराब दुकान पर हकीकत कुछ और रही बया कर रही है

यह है नियम 100 मीटर तक नहीं होगी कोई दुकान- अबाकारी नियम के तहत शैक्षणिक संस्थान, स्कूल, कॉलेज एवं धार्मिक पूजा स्थलों जैसे मंदिर, मस्जिद आदि के आस-पास 100 मीटर की दूरी तक शराब की कोई दुकान नहीं होनी चाहिए पहले ये सीमा 50 मीटर थी जिसे बढ़ाकर 100 मीटर कर दिया गया था बाउजूद इसके भीकनगांव झिरन्या पिपलिया पंचायत में संचालित शराब दुकान के सामने ओर पीछे धार्मिक स्थल दोनो मन्दिर है जिस पर आज तक कोई कार्यवाही नही हुई आखरी क्यू।

यह भी नियम ताक पर, बेखोफ ग्रामीणों इलाको में सप्लाई होती है शराब- भीकनगांव नगर के स्थानीय शराब दुकान से तहसील के अन्य ग्रामो में ठेकेदार के वर्करों द्वारा दो पहिया वाहनों से अवैध शराब सप्लाई की जाती है वही शराब ले जाते वक्त गली मोहल्ले व हाइवे से तेज गति से बाइक चलाने नजर आते है दुर्घटना न्योता देती है नियम के हिसाब से दुकान से सिर्फ शराब बेची जा सकती है लेकिन भीकनगांव नगर में स्थानीय प्रशासन की साठगांठ से सब कुछ मुमकिन है अब यह कहना भी गलत नही होगा कि स्थानीय शराब ठेकेदार व वर्करों के मन में अब पुलिस व प्रशासन कोई डर नही है।

भगोरिया पर्व दुकान पे बेठ कर पिलाई जा रही शराबॉ- भीकनगांव के ग्राम अंजनगाव में सोमवार भगोरिया पर्व पर ठेकेदार संचालक द्वारा शराब दुकान पर बैठ ही शराब पिलाई जा रही जो नियम के परे है लेकिन आबकारी पुलिस का कोई ध्यान नही वही कल मंगलवार को भीकनगांव भगोरिया पर क्या होगा यह तो राम ही जाने।

कॉल पर चर्चा के दौरान सचीन भास्करे आबकारी अधिकारी भीकनगांव कहते है = जानकारी में नही है में अभी बाहर हु झिरन्या तरह आ कर देखता हूं।

जगदीश अग्रवाल ने कहा बूथ पर 370 अधिक वोट बढ़ाने लाभार्थियों को जनहितैषी योजना की चर्चा करे

लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विधानसभा प्रबंध समिति की बैठक हुई संपन्न

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ
शाजापुर, लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका और देवास लोकसभा चुनाव में हमारे भाजपा प्रत्यासी महेंद्र सिंह सोलंकी को देवास संसदीय क्षेत्र से इतिहासिक जीत दर्ज कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करे। यह काम तभी संभव होगा जब हमारा बूथ का कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर 370 से अधिक वोट बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर हर घर पहुंचे और केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की भाजपा की डबल इंजन की सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा हर लाथार्थियों से करे उक्त बात भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ नेता लोकसभा प्रभारी जगदीश अग्रवाल ने जिला कार्यालय पर संबोधित करते हुए कही।

भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विजय जोशी ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ नेता लोकसभा प्रभारी जगदीश

अग्रवाल ने सोमवार को जिला कार्यालय में शाजापुर विधानसभा के प्रबंध समिति की बैठक को संबोधित कर बूथ विजय का संकल्प दिलाया और संगठन विस्तार के मंत्र दिए। बैठक को संबोधित कर शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने प्रमुख कार्यक्रताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव हमारे सामने हे सभी कार्यकर्ता सब काम छोड़कर अपने अपने बूथ पर प्रतिदिन प्रवास करे और हर बूथ पर 10 प्रतिशत वोट की वृद्धि कर बूथ को मजबूत कर मोदी बूथ बनाकर भाजपा प्रत्यासी को भारी मतों से जिताने के अभियान में लग जाए। बैठक को विधानसभा प्रभारी हेमराज सिसोदिया ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री संतोष बराड़ा, विधानसभा विस्तारी विपिन राठौर, नपा अध्यक्ष प्रेम जैन, वरिष्ठ नेता रवि पांडे भी मंचासीन रहे। बैठक में प्रबंध समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का संचालन किरण ठाकुर ने किया तथा आभार जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ने माना।

कटनी में कोतवाली थाना क्षेत्र के चांडक चौक में 5 लख रुपए की लूट के मामले का हुआ खुलासा

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के कोतवाली थाना क्षेत्रांतर्गत जगन्नाथ चौराहे में 13 मार्च को हुई लूट के मामले का कटनी एसपी ने खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार कर उनसे लूटी गई 5 लाख रुपए में से 3 लाख 81 हजार रुपए बरामद करने में सफलता हासिल की है। कटनी एसपी ने बताया की सुरेन्द्र सिंह पिता मान सिंह ठाकुर ने कोतवाली थाने में आकर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था की वह मातेश्वरी लाईम इण्डस्ट्रीज के प्रो. अनुराग बगडिया के ऑफिस पन्ना मोड़ में काम करता है। सुबह करीब 10.15 बजे रोजाना की तरह अनुराग बगड़िया के पिता कमल बगडिया से भारतीय स्टेट बैंक मेन ब्रांच कटनी से 05 लाख रुपए के चेक से नगद रुपए निकाल बैग में रखे और बैंग टांग बैंक से निकल गया और जैसे ही वह चाण्डक चौक के पास करीब 12.35 बजे पहुंचा तभी दो लडके पीछे तरफ से काले रंग की पल्सर से आये और मेरी बाईक की तरफ अपनी बाईक सटा दिए और झप?ट्टा मारकर बैग छीने तो बैग का पट्टा जो मेरे गले में फंसा था टूट गया।बार बाइक सवार दोनों लड़के बैग को छीनकर बस स्टेण्ड की तरफ भाग निकले। मैंने उन दोनों लड़को का कैलवारा मोड़ तक पीछा किया किन्तु वे काफी स्पीड में मोटर सायकल चला रहे थे जिसके कारण वह उनकी

बाइक का नंबर नही देख पाया। घटना के बाद वह अपने आफिस के मैनेंजर खलील अहमद को घटना के संबंध में बताया। कोतवाली थाना में शिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा दिनदहाड़े मुख्य चौराहे पर घटित लूट की घटना को गंभीरतापूर्वक लेते हुए तत्काल समस्त जिले के चैक प्वाइंटों को अलर्ट करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। एसपी के निर्देशन में एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरी. आशीष शर्मा के नेतृत्व में कई टीमों का गठन किया जाकर संदेहियों की तलाश हेतु अलग-अलग क्षेत्रों में रवाना किया गया। पुलिस की टीम लगातार अलग-अलग क्षेत्र में जाकर दविश दे रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि संदेही क्षेत्र में कहीं आसपास है जिनकी पतासाजी हेतु रात-भर तलाशी अभियान चलाया गया और 18 मार्च को मुखबिर से संदेहियानों के कटनी बॉयपास की तरफ होने की सूचना प्राप्त हुई। मुखबिर की सूचना पर कैलवारा रोड़ बायपास स्थित पुल के पास दो पल्सर मोटर सायकल खड़ी थी और वहीं पर दो लड़के खड़े थे, जो पुलिस की गाड़ियों को देखकर गाड़ी चालू करके भागने लगे। जिन्हें घेराबंदी करके पकड़ा गया। नाम पता पूछने पर अपना नाम सोनू कुमार उर्फ वंश, उर्फ पिंकू यादव पिता स्व. नंदलाल उर्फ नंदू उर्फ राजकुमार यादव उर्फ बंजारा उम्र 24 वर्ष नि. ग्राम नया टोला जुराबगंज थाना कोढ़ा जिला कटिहार (बिहार) एवं रितिक कुमार यादव पिता राजकुमार उर्फ अभय यादव (बंजारा) उम्र 20 वर्ष नि. ग्राम नया टोला जुराबगंज थाना कोढ़ा जिला कटिहार (बिहार) का होना बताए। जिनसे पूछताछ करने पर 13 मार्च को अपने साथी विकास यादव एवं विनोद यादव के साथ मिलकर कटनी में चांडक चौक में लूट की घटना घटित करना स्वीकार किए। आरोपियों के कब्जे से पुल के पास झाड़ियों में छिपाकर रखी लूट की रकम 3 लाख 81 रुपए बरामद किए गए एवं घटना में प्रयुक्त 03 मोटर सायकल जप्त की गई है। घटना में शामिल अन्य दो आरोपी विकास यादव एवं विनोद यादव लूट का बाकी पैसा लेकर और गाड़ी छोड़कर फरार हो गए है। जिनकी तलाश जारी है।

अधर में लटका सुनवानी खुर्द से सिमरिया सड़क निर्माण कार्य, लोगो को निकलने में हो रही परेशानी

सिटी चीफ । रामनरेश विश्वकर्मा
पन्ना, मध्य प्रदेश के पन्ना विधानसभा चुनाव से पहले सड़क मे गढढे या गड्ढे में सड़क होने से परेशान कुछ समाजसेवियों व सुनवानी कलां, सांटा बुद्ध सिंघ, सुनवानी खुर्द, कोनी, गढ़िकरहैया, के ग्रामीणो ने चक्का जाम व धरना प्रदर्शन किया था जाम को हटाने समस्त प्रशासन अमला मौके पर पहुचा था और जल्द ही सड़क निर्माण का आश्वासन देकर धरना उक्त प्रदर्शन और चक्काजाम को अलग कराया विधानसभा चुनाव के दौरान कुछ दिनो बाद सड़क मार्ग मे बड़ी बड़ी गिट्टी डलवा गड्ढों को पूर दिया गया अगर बात करे 4से 5 माह लगभग बीत जाने के बाद अभी तक सड़क निर्माण

कार्य चालू नही किया गया जिससे दो पहिया वाहन व चार पहिया वाहनो को निकलने मे सड़क पर डाली गई गिट्टीओ से चोटिल होना पड़ रहा है और रोजाना इस समस्या का सामना करना पड़ रहा हैबतादे की सुनवानी से सिमारिया मार्ग कि दूरी लगभग 12 किलोमीटर की है जिसमे सफर करने मे लगभग 1घंटे का समय लग रहा है इस नहीं की अधिकारी इस बात से अनिभिज्ञ है। अब लोकसभा चुनाव आ गए यह से जन प्रतिनिधि का भी आना जाना होगा अब देखना यह है कि सड़क निर्माण कार्य गिट्टी बिखेरने तक सीमित रहता है या इसे पूरा किया जाएगा वैसे तो ग्रामीण जरा सी बारिश में यहां से कीचड़ से निकलने पर मजबूर थे।

संतोष चौरसिया ने छोड़ा हाथ का साथ, डिप्टी सीएम ने भगवा गमछा पहनाकर किया बीजेपी में स्वागत

श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ
मैहर, लोकसभा चुनाव से पहले मैहर कांग्रेस की रीड कहे जाने वाला परिवार जो चार पीडियो से स्थानीय जनता जनार्दन की सेवा में समर्पित था नगरी क्षेत्र में नगर पालिका स्थापना से लेकर आज तक जिस परिवार की राजनीतिक भागीदारी हमेशा रही उसे परिवार से नगर पालिका की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष चौरसिया एवं कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रकांत चौरसिया राजा युवा नेता मुनि चौरसिया ने प्रदेश के मुखिया प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के मैहर प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के

चूनाव कार्यालय उद्घाटन कार्यक्रम में भाजपा का दामन थाम लिया श्रीमती चौरसिया का कांग्रेस छोड़कर भाजपा सदस्य ग्रहण करने से निश्चित रूप से यहां पर भारतीय जनता पार्टी बहुत मजबूत हुई है वही कांग्रेस पार्टी के लिए यह जोरदार झटका भी है। बकायदा लाव लश्कर के साथ पहुंचे इन नेताओं ने भगवा गमछा डालकर डिप्टी सीएम के सामने बीजेपी ज्वाइन कर लिया।

उप जिला निर्वाचन- चेक पोस्टो पर रखे पैनी नज़र, उड़नदस्ता टीम की जिम्मेदारी

व्यय निगरानी समिति के टीमों को दिया गया प्रशिक्षण संपन्न

सिटी चीफ । मोहम्मद मुनीर
शहडोल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर आयोग के दिशा-निर्देश के अनुरूप जिले में आदर्श आचरण संहिता का अक्षरश: पालन कराने के उदेश्य से व्यय निगरानी समिति के टीमों को कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण दिया गया जिसमें एसएसटी, व्हीएसटी, व्हीव्हीटी व व्यय निगरानी समिति के अधिकारी शामिल थे।ॉ अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रोमोनुस टोप्पो ने कहा की लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 77 एवं 78 के सभी उप धाराओं का पालन किया जाए। व्यय निगरानी समिति सतर्कता से लोकसभा निर्वाचन 2024 के अभ्यर्थियों द्वारा किए गए निर्वाचन व्यय की निगरानी समय-समय पर करें।

साथ ही अभ्यर्थी के अनुज्ञेह व्यय की निगरानी रखते हुए सुसंगत कार्यवाही करना भी सुनिश्चित करें। अपर कलेक्टर ने कहा कि अंतर्राज्यीय एवं जिले में बनाए गए चेक पोस्टों एवं नाकों पर आने-जाने वाले वाहनों पर पैनी नजर रखी जाए जिससे ऐसे कारकों पर नियंत्रण रखा जाए जो निष्पक्ष, पारदर्शी निर्वाचन को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उड़नदस्ता टीम शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल घटनास्थल पहुंचकर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें जिससे जिले में लोकसभा निर्वाचन पारदर्शी, निष्पक्ष एवं भयमुक्त हो सके। प्रशिक्षण में सी-विजिल एप्प, मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति, पेड न्यज वीडियो निगरानी की जानकारी भी दी गई।

मास्टर ट्रेनर अनिल श्रीवास्तव एवं पीके सालवार ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, संयुक्त कलेक्टर अमृता गर्ग, निर्वाचन सुपरवाईजर संजय खरे सहित निगरानी टीमों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोकसभा सतना सह प्रभारी बनाए गए एडवोकेट राकेश मौर्य

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ मैहर, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद माननीय श्री विष्णु दत्त शर्मा जी प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद प्रदेश महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के माननीय श्री रणवीर सिंह रावत एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष (मंत्री मध्य प्रदेश शासन) माननीय श्री नारायण सिंह कुशवाह की सहमति से भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के 2024 लोकसभा चुनाव के लोकसभा सतना सह प्रभारी भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रदेश कार्य समिति सदस्य कद्दावर नेता एडवोकेट श्री राकेश मौर्य को लोकसभा सतना सहप्रभारी बनाए जाने पर सतना सांसद श्री गणेश सिंह मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी एवं प्रदेश नेतृत्व को पिछड़ा वर्ग के तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं बधाई बधाई शुभकामनाएं प्रेषित करने साथ रहे डॉक्टर दिलीप मौर्य, श्री चंद कुशवाहा, दिनेश मौर्य, सुधीर मौर्य, जयंत मौर्य, रमेश कुशवाहा, पुष्पराज कुशवाहा, सत्य प्रकाश कुशवाहा, कुलदीप गुप्ता, अरविंद गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, अखिलेश कुशवाहा, आदि साथी गण उपस्थित रहे।

शहडोल में अज्ञात महिला का मिला शव फैली सनसनी

सिटी चीफ। मोहम्मद मुनीर शहडोल, संभाग के अनुपपुर जिला अंतर्गत बिजुरी थाना में एक अज्ञात महिला के शव मिलने की खबर मिलते ही इलाके में सनसनी फ़ैल गई, जिसके बाद पूरे नगर में दहशत का माहौल देखा जा रहा है। मामले में मिली जानकारी के मुताबिक बिजुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10 के भारतीय स्टेट बैंक के कियोस्क बैंक के पास सन्दिग्ध परिस्थितियों में अज्ञात महिला का शव मिला जिसकी सूचना मिलने पर बिजुरी पुलिस घटना स्थल पहुची वही सीसीटीवी को खंगाला गया, मौके पर पुलिस अधीक्षक अनुपपुर (एसडीओपी) कोतमा शहडोल (एसआईएफ) डॉक्टर की टीम डॉग एस्कॉर्ट फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट सहित बिजुरी थाना प्रभारी अपने दलबल के साथ मौजूद रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटनाक्रम के सभी पहलुओं की जाँच की जा रही है मौका पंचनामा कर शव का पी.एम के लिये प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिजुरी भेजा गया। हालांकि अभी तक मृत महिला की पहचान नही हो पायी है। **प्रतिक्रिया-** बिजुरी थाना प्रभारी विकास सिंह ने आज हमें जानकारी मिली की एक अधेड़ महिला का शव संदिग्ध अवस्था में मिला है मामले में शव की पहचान नहीं हो पाई है।

केंद्र सरकार हिंदुओं की भलाई को दे प्राथमिकता

विहिप के पूर्व नेता बोले- राम मंदिर हिंदुओं को उनके विजय पराक्रम की हमेशा याद दिलाएगा

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व नेता प्रवीण तोगड़िया ने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण को लेकर रविवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के जागृत होने के कारण राम मंदिर बन पाया। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक अध्यक्ष तोगड़िया ने कहा कि राम मंदिर हिंदुओं को उनके विजय पराक्रम की हमेशा याद दिलाएगा। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर उन्होंने अनुकूल नतीजे आने की आशा जताई। तोगड़िया ने इस बात पर जोर दिया कि नई सरकार को हिंदुओं की भलाई और अधिकारों को प्राथमिकता देनी चाहिए। मालूम हो कि तोगड़िया विहिप से निष्कासित कर दिया गया था और बाद में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की स्थापना की। प्रवीण तोगड़िया ने इस दौरान सामाजिक परिवर्तनों की ओर भी इशारा किया।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने, रोजगार के अवसर पैदा करने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में सकारात्मक बदलाव हुआ है। इसे लेकर उन्होंने देश भर में लड़कियों के लिए शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने के प्रयासों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक बदलाव लाने में महिला शिक्षा का काफी महत्व है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक तैयार थे 60,000 पत्थर

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को हुई थी। राम मंदिर को लेकर तोगड़िया ने जिक्र किया कि कैसे 8 करोड़ हिंदुओं ने भव्य मंदिर में पत्थरों की नक्काशी के लिए सवा-सवा रुपये का दान दिया था। उन्होंने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक लगभग 60,000 ऐसे पत्थर तैयार थे। तोगड़िया ने कहा, हिंदुओं के जागृत होने के कारण राम मंदिर का निर्माण हुआ। हमने राम शिला पूजन, हनुमान चालीसा, राम जानकी यात्रा, मणिकर सेवा, राम पादुका यात्रा, राम ज्योति यात्रा आदि कार्यक्रमों के साथ हिंदुओं में जागरूकता लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि उनका संगठन हनुमान चालीसा केंद्रों के माध्यम से हिंदुओं के धर्मांतरण को रोकने के लिए काम करेगा। उन्होंने कहा कि इनमें से 13,000 केंद्र कार्यरत हैं और उनका लक्ष्य देश भर में इनकी संख्या को एक लाख तक ले जाना है।

भारतीय सेना की टुकड़ी संयुक्त अभ्यास के लिए सेशेल्स हुई रवाना

इंटरनेशनल डेस्क. भारतीय सेना की एक टुकड़ी संयुक्त सैन्य अभ्यास LAMITIYE-2024 के 10वें संस्करण में भाग लेने के लिए रविवार को सेशेल्स के लिए रवाना हुई। भारतीय सेना और सेशेल्स रक्षा बलों (एसडीएफ) के बीच संयुक्त अभ्यास 18-27 मार्च तक सेशेल्स में आयोजित किया जाएगा। क्रियोल भाषा में LAMITIYE का अर्थ दोस्ती है, यह एक द्विवार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है और 2001 से सेशेल्स में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय सेना के गोरखा राइफल्स और सेशेल्स रक्षा बलों (एसडीएफ) के प्रत्येक 45 कर्मी अभ्यास में भाग लेंगे। अभ्यास का उद्देश्य शांति स्थापना संचालन पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत अर्ध-शहरी वातावरण में उप-पारंपरिक संचालन में अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना है। यह अभ्यास शांति अभियानों के दौरान दोनों पक्षों के बीच सहयोग और अंतर-संचालनीयता को बढ़ाएगा। दोनों सेनाओं के बीच कौशल, अनुभव और अच्छी प्रथाओं के आदान-प्रदान के अलावा द्विपक्षीय सैन्य संबंधों का निर्माण और प्रचार भी किया जाएगा। दोनों पक्ष नई पीढ़ी के उपकरणों और प्रौद्योगिकी का दोहन और प्रदर्शन करते हुए अर्ध-शहरी वातावरण में आने वाले

संभावित खतरों को बेअसर करने के लिए अच्छी तरह से विकसित सामरिक अभ्यासों की एक श्रृंखला को संयुक्त रूप से प्रशिक्षित, योजना और निष्पादित करेंगे। 10 दिवसीय संयुक्त अभ्यास में क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास, युद्ध चर्चा, व्याख्यान और प्रदर्शन शामिल होंगे, जो दो दिनों के सत्यापन अभ्यास में समाप्त होंगे। यह अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच आपसी समझ विकसित करने और संयुक्तता बढ़ाने में बहुत योगदान देगा। यह अभ्यास सहयोगात्मक साझेदारी को भी बढ़ावा देगा और दोनों पक्षों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में मदद करेगा।

पाकिस्तान ने अफगान सीमा के पार जाकर किए हवाई हमले, आठ की मौत

पाकिस्तान बोला- आतंकी लगातार सरहद पर कर रहे हमला, तालिबान ने दी धमकी

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के अंदर दो हवाई हमले किए, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई है। तालिबान ने इसे देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। इस हमले में कई महिलाएं और बच्चे भी मारे गए। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के सत्ता कब्जा के बाद से दोनों देशों के बीच लगातार सीमा विवाद बढ़ गया है। पाकिस्तान का दावा है कि आतंकवादी लगातार सरहद पर हमला कर रहे हैं। प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक बयान में कहा कि लगभग तीन बजे पाकिस्तानी विमानों ने पाकिस्तान की सीमा के पास खोस्त और पक्तिका प्रांतों में घरों पर बमबारी की। राष्ट्रपति जरदारी ने दी थी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी गौरतलब है कि ये हमले शनिवार को पाकिस्तान क्षेत्र के अंदर एक हमले में सात पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने के बाद हुए, जिसके लिए देश के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने जवाबी कार्रवाई की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान की सीमाओं, घरों या जरूरत पड़े तो देश में भी घुसेगा। हर आतंकी का खात्मा किया जाएगा। बता दें सीमा के पास के क्षेत्र लंबे समय से पाकिस्तान में तालिबान समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे आतंकवादी समूहों का गढ़ रहे हैं, जो अफगानिस्तान के साथ खुली सीमा पर काम करता है। तालिबान के सत्ता में आते ही बढ़ा दोनों देशों के बीच तनाव विश्लेषकों का कहना है कि विश्लेषकों का कहना है कि तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से पूर्व जनजातीय क्षेत्रों में आतंकवादियों का हौसला बढ़ गया है, टीटीपी सुरक्षा अधिकारियों के खिलाफ बढ़ते अभियान चला रहा है। तालिबान पाकिस्तानी आतंकवादियों को पनाह देने से इनकार करता है। तालिबान अधिकारियों ने कहा कि 2022 में पाकिस्तानी सैन्य हेलीकॉप्टरों ने सीमा के अफगान क्षेत्र में हमले किए जिसमें कम से कम 47 लोग मारे गए। पक्तिका के बरमाल जिले में घरों पर हमला किया गया था।

राष्ट्रपति चुनाव में जीतते ही पुतिन ने दी तीसरे विश्वयुद्ध की चेतावनी

अमेरिकी लोकतंत्र का उड़ाया मजाक, अभी भी नाटो के सैनिक यूक्रेन में मौजूद होने का किया दावा

मॉस्को। व्लादिमीर पुतिन ने रूस में हुए राष्ट्रपति चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है, जिसके बाद पुतिन का पांचवी बार रूस का राष्ट्रपति बनना तय हो गया है। सोमवार को नतीजों की घोषणा होने के बाद पुतिन ने अपने पहले संबोधन में पश्चिमी देशों को धमकी देते हुए तीसरे विश्वयुद्ध की चेतावनी दे दी। उन्होंने कहा कि रूस और अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन में अगर संघर्ष हुआ तो इसका मतलब ये है कि यह दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध से महज एक कदम दूर होगी और शायद ही कोई ऐसी परिस्थिति देखना चाहता है। साल 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से रूस और पश्चिमी देशों के संबंध सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने बीते महीने ही भविष्य में यूक्रेन में अपने सैनिकों को उतारने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया। इस बारे में जब पुतिन से पूछा गया तो उन्होंने कहा

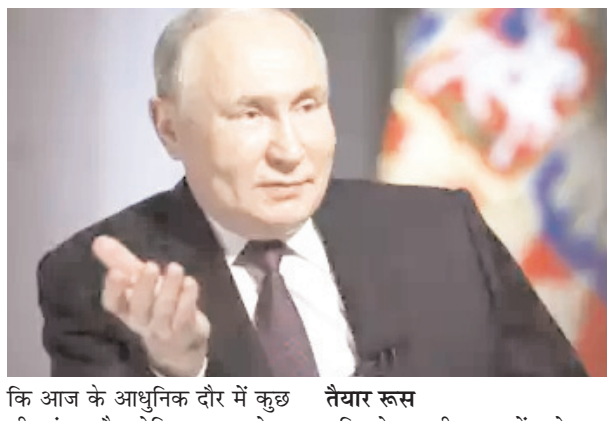

कि आज के आधुनिक दौर में कुछ भी संभव है, लेकिन अगर ऐसा होता है तो तीसरा विश्वयुद्ध ज्यादा दूर नहीं है। पुतिन ने ये भी कहा कि वैसे नाटो के सैनिक अभी भी यूक्रेन में मौजूद हैं। रूस को पता चला है कि युद्ध के मैदान में इंग्लिश और फ्रेंच भाषा बोलने वाले जवान भी मौजूद हैं। ये अच्छी बात नहीं है, खासकर उनके लिए क्योंकि वे बड़ी संख्या में यहां मर रहे हैं।

यूक्रेन युद्ध पर बातचीत के लिए तैयार रूस

पुतिन ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण किया था। पुतिन ने यूक्रेन युद्ध पर कहा कि फ्रांस बातचीत में अहम भूमिका निभा सकता है क्योंकि अभी भी सबकुछ खत्म नहीं हुआ है। पुतिन ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है, और मैं अब भी कहता हूं कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं और ये बातचीत सिर्फ इसलिए नहीं होगी क्योंकि दुश्मनों के पास गोला-बारूद खत्म हो चुका है। अगर वे सचमुच गंभीर हैं और शांति चाहते हैं तो उन्हें पड़ोसी देशों की तरह अच्छे संबंध बनाकर चलना होगा।

अमेरिकी लोकतंत्र का उड़ाया मजाक

पुतिन ने अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा रूस के चुनाव की आलोचना करने पर खुद अमेरिका के लोकतंत्र का मजाक उड़ाया और कहा कि पूरी दुनिया उन (अमेरिका) पर हंस रही है, वहां क्या हो रहा है। पुतिन ने ट्रंप के खिलाफ पूरी स्टेट मशीनरी को लगाए जाने का भी आरोप लगाया। पुतिन के विरोधी माने जाने वाले एलेक्सी नवलनी की मौत पर पुतिन ने पहली बार उनके नाम का जिक्र किया और कहा कि अब वह मर चुके हैं और उनकी मौत पर दुख जताया। नवलनी की बीते दिनों ही रूस की जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। नवलनी को पुतिन का विरोधी माना जाता था। नवलनी की मौत के आरोप पुतिन पर ही लगे थे।

शक्ति का सफाया पर राहुल गांधी ने दी सफाई

नई दिल्ली। मुंबई में राहुल गांधी ने शक्ति के खिलाफ लड़ाई वाला बयान दिया तो भाजपा को हाथों हाथ नया मुद्दा मिल गया। राहुल द्वारा शक्ति पर दिए गए बयान को पीएम मोदी ने शिवमोगा की जनसभा में खूब भुनाया। पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन शक्ति का सफाया चाहता है तो मैं शक्ति की उपासना का एलान करता हूं। प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद राहुल गांधी ने अपना जवाब दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी भी धार्मिक शक्ति के बारे में नहीं बल्कि अधर्म, भ्रष्टाचार और झूठ की शक्ति के बारे में बात कर रहे थे।

राहुल ने पीएम मोदी पर लगाए आरोप

राहुल ने पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि उनके शब्दों को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि मैं उस ताकत के बारे में बात कर रहा हूं, जिसका

मुखौटा प्रधानमंत्री ने पहना हुआ है। पीएम मोदी को मेरे द्वारा कहे गए शब्द अच्छे नहीं लगते। वह हमेशा मेरे शब्दों को घुमा फिरा कर किसी और दिशा में मोड़ देते हैं।

इस शक्ति का मुखौटा प्रधानमंत्री हैं- राहुल

राहुल ने एक्स पर लिखा है कि मैं उस शक्ति की बात कर रहा हूं जिसका मुखौटा प्रधानमंत्री हैं। यह ऐसी शक्ति है, जिसने देशभर के लोगों की आवाज को अपने चंगुल में दबोच लिया है। इस शक्ति ने भारत की संस्थाओं, सीबीआई, आईटी, ईडी, चुनाव आयोग, मीडिया, उद्योग जगत और भारत के संवैधानिक ढांचे को अपने कब्जे में ले लिया है।

दिल्ली बनी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी, लिस्ट में शामिल बिहार का ये शहर भी

नेशनल डेस्क- बिहार का बेगूसराय दुनिया का सबसे प्रदूषित महानगर क्षेत्र बन गया है जबकि दिल्ली को सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाले राजधानी शहर के रूप में दर्ज किया गया है। एक नयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। स्विट्जरलैंड के संगठन 'आईक्यूएयर की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 के अनुसार, औसतन वार्षिक 54.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की पीएम2.5 सांद्रता के साथ भारत 2023 में 134 देशों में से तीसरा सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला देश रहा। उससे पहले बांग्लादेश (79.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) और पाकिस्तान (73.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) रहे। भारत 2022 में औसतन 53.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की पीएम2.5 सांद्रता के साथ आठवां सबसे प्रदूषित देश रहा था। पीएम2.5 को 'फाइन पार्टिकुलेट मैटर कहा जाता है। ये कण 2.5 माइक्रोन या छोटे आकार के होते हैं और ये सांस लेने के दौरान निचले श्वसन तंत्र तक पहुंच जाते हैं। बेगूसराय औसतन 118.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की पीएम2.5 सांद्रता के साथ वैश्विक स्तर पर सबसे प्रदूषित महानगर दर्ज किया गया है जबकि 2022 की रैंकिंग में इस शहर का नाम भी नहीं था। दिल्ली 2018 के बाद से चौथी बार दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी शहर चिह्नित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा अनुमान है कि भारत में 1.36 अरब लोगों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अनुशंसित पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक की पीएम2.5 सांद्रता का सामना करना पड़ा। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दुनियाभर में हर साल तकरीबन 70 लाख लोगों की वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व मौत हो जाती है। पीएम2.5 वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा, कैंसर, आघात और फेफड़ों की बीमारी समेत अनेक बीमारियां हो सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट का आरोपी जेम्स मिशेल की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने सोमवार को क्रिश्चियन मिशेल की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार किया। मिशेल अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में कथित तौर पर बिचौलिया था। सीबीआई और ईडी 36000 करोड़ रुपये के 12 वीवीआई हेलीकॉप्टर्स की खरीद में उसकी भूमिका की जांच कर रही हैं। उसे दुबई से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद दिसंबर 2018 में गिरफ्तार किया गया था। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, आप इस मामले में (संविधान के) अनुच्छेद-32 के तहत याचिका कैसे दायर कर सकते हैं? अनुच्छेद-32 मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय जाने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा कहा कि यह मामला पहले भी निपटाया जा चुका है और इसे नहीं दोहराया जा सकता।

अमेरिका में एक और भारतीय मूल के छात्र की मौत

इस साल अब तक छह भारतीयों ने तोड़ा दम

न्यूयॉर्क: अमेरिका के बोस्टन में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई और प्रारंभिक जांच में इस मामले में किसी साजिश की आशंका से इनकार किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को कहा। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने 'एक्स पर लिखा, ''बोस्टन में एक भारतीय छात्र अभिजीत पारुचुरू के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ।%% पारुचुरू के माता-पिता कनेक्टिकट में रहते हैं और जांच अधिकारियों के सीधे संपर्क में हैं। वाणिज्य दूतावास ने कहा कि शुरुआती जांच में किसी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका से इनकार किया गया है। वाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसने पारुचुरू के ''शव को भारत भेजने और आवश्यक दस्तावेज तैयार करने में सहायता प्रदान की%% और वह इस मामले में स्थानीय प्राधिकारियों एवं भारतीय-अमेरिकी समुदाय के

संपर्क में है। सूत्रों के अनुसार, 20 वर्षीय पारुचुरु का अंतिम संस्कार आंध्र प्रदेश में उसके गृहनगर तेनाली में हुआ। अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संगठन 'टीम एड ने शव को भारत लाने में मदद की। जंगल में कार में मिला था अभिजीत पारुचुरी का शव मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत पारुचुरू आंध्र प्रदेश के गुंटूर के मूल निवासी थे और बोस्टन विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने पिछले साल विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था। वह अपने एक क्लासमेट (सहपाठी) के साथ किराए के अपार्टमेंट में रह रहे थे। पुलिस को उसका शव कैंपस के जंगल के अंदर एक लावारिस कार में फेंका हुआ मिला था।

माता-पिता की इकलौती संतान और पढ़ाई में तेज थे अभिजीत पारुचुरी

अभिजीत के माता-पिता पारुचुरी चक्रधर और श्रीलक्ष्मी को जब इकलौते बेटे की दुखद मौत के बारे में पता चला तो उन्हें गहरा सदमा लगा। उनके परिजनों के मुताबिक, अभिजीत पढ़ाई-लिखाई में बहुत तेज थे, लेकिन उनकी मां ने विदेश में पढ़ाई की योजना का विरोध किया था।

11 मार्च को किया गया था अभिजीत पारुचुरी पर हमला-मीडिया रिपोर्ट्स

अभिजीत पारुचुरी का पार्थिव शरीर शुक्रवार देर शाम गुंटूर के बुर्रिपालेम स्थित उनके आवास पर लाया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 11 मार्च को विश्वविद्यालय परिसर में हमलावरों ने अभिजीत की हत्या कर दी और उनका शव जंगल में एक कार में पाया गया। इस साल की शुरुआत से अब तक अमेरिका में भारतीय और भारतीय मूल के कम से कम छह छात्रों की मौत हो चुकी हैं। भारतीय-अमेरिकी छात्रों पर हमलों संबंधी घटनाओं की संख्या में चिंताजनक वृद्धि ने समुदाय में चिंता पैदा कर दी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569